RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 234 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 25-03-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री का वक्तव्य भ्रम पैदा करने की कवायद थी : खरगे

6 असम में जेएमएम ने कांग्रेस के लिए बंद किए दरवाजे

7 शिल्पा शेट्टी ने बताया रिवर्स हाइपर एसरसाइज का सही तरीका

## फर्स्ट टेक

### तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगी कमल हासन की पार्टी एमएनएम

**चेन्नई/भाषा।** अभिनेता एवं नेता कमल हासन की पार्टी मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) ने तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की है। एमएनएम द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन का एक घटक दल है। एमएनएम ने कहा कि द्रमुक द्वारा प्रस्तावित सीटों की संख्या और यह सुझाव कि एमएनएम उम्मीदवार 'उगते हुए सूर्य' चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़े, स्वीकार्य नहीं है। एमएनएम के संस्थापक कमल हासन ने कहा कि उनकी पार्टी चुनाव नहीं लड़ेगी, लेकिन द्रमुक नीत गठबंधन के सभी उम्मीदवारों को बिना शर्त अपना समर्थन देगी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने एमएनएम के इस कदम की सराहना करते हुए इसे 'स्वार्थ को दरकिनार करते हुए तमिलनाडु के कल्याण को प्राथमिकता देने का उदार निर्णय' करार दिया।

### दक्षिण प्रशांत सागर में टोंगा के निकट 7.6 तीव्रता का भूकंप

**नेयाफू (टोंगा)/एपी।** दक्षिण प्रशांत सागर में टोंगा के निकट मंगलवार को 7.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने कहा कि भूकंप स्थानीय समयानुसार मंगलवार तड़के 237 किलोमीटर की गहराई में आया। भूकंप का केंद्र नेयाफू से 153 किलोमीटर दूर समुद्र में था। नेयाफू द्वीपीय देश टोंगा का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। भूकंप से तत्काल किसी तरह के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है।

### रुपया 35 पैसे टूटकर 93.88 प्रति डॉलर के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर

**मुंबई/भाषा।** रुपया मंगलवार को 35 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 93.88 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर आ गया। प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती और वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण निवेशकों में चिंता का माहौल रहने से घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट को लेकर अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशकों की निकासी ने भी रुपए पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.66 पर खुला और पूरे सत्र के दौरान इसमें उतार-चढ़ाव बना रहा। अंत में यह 93.88 (अस्थायी) पर रहा, जो पिछले बंद स्तर से 35 पैसे की गिरावट है। सोमवार को रुपया पहली बार अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94 के स्तर को पार कर गया था, हालांकि बाद में यह 93.53 पर स्थिर बंद हुआ।

25-03-2026 सूर्यास्त 6:30 बजे | 26-03-2026 सूर्योदय 6:20 बजे

| BSE | NSE |
|---|---|
| 74,068.45 | 22,912.40 |
| (+1,372.06) | (+399.75) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 14,715 रु. | 234,223 रु. |
| (24 कैरेट) प्रति ग्राम | प्रति किलो |

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### दूध के जले

मिल रहा कौन किससे क्योंकर,
मिडिया में जारी है कयास।
पढ़ सुन कर उकताई जनता,
दल कात रहे काता कपास।
सत्ता की चाहत में आए,
दुश्मन भी अब तो पास-पास।
पी रहे छाछ भी फूंक-फूंक,
यूजीसी में कर-कर तपास।।

# खाड़ी क्षेत्र में संवाद एवं कूटनीति से शांति बहाली चाहता है भारत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- हमारी अर्थव्यवस्था के आधारभूत स्तंभ मजबूत हैं तथा सरकार पल पल बदलते हालात पर नजर रखे हुए है।
- हम खाड़ी के सभी देशों के साथ लगातार संपर्क में हैं। हम ईरान, इजराइल और अमेरिका के साथ भी संपर्क में हैं।

**नई दिल्ली/भाषा।** राज्यसभा में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में छिड़े वर्तमान संघर्ष के कारण उत्पन्न स्थिति से निबटने के लिए अधिकार संपन्न सात नए समूहों का गठन किया गया है जो एलपीजी, आवश्यक सेवाओं एवं वस्तुओं की आपूर्ति एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अन्य विषयों का नियमित आकलन कर सुझाव देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और इसके कारण भारत के सामने आई चुनौतियों पर राज्यसभा में अपनी ओर से वक्तव्य देते हुए कहा कि तीन सप्ताह से अधिक समय हो चुका है तथा इस युद्ध ने विश्व में गंभीर ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए भी यह स्थिति चिंताजनक है। ''इस युद्ध से हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। इससे पेट्रोल, डीजल, गैस और उर्वरक जैसे जरूरी सामान की नियमित आपूर्ति प्रभावित हो रही है।'' उन्होंने कहा, ''हमारी अर्थव्यवस्था के आधारभूत स्तंभ मजबूत हैं तथा सरकार पल पल बदलते हालात पर नजर रखे हुए है। सरकार इसके अल्पकालिक, मध्य कालिक एवं दीर्घकालिक प्रभावों पर नजर रखने के लिए एक रणनीति के तहत काम कर रही है।''

मोदी ने कहा कि सरकार ने एक अंतर मंत्रालयी समूह बनाया है जो नियमित बैठक कर आयात-निर्यात में आने वाली बाधाओं का आकलन करता है। उन्होंने कहा कि जैसे कोरोना महामारी के दौरान अलग अलग क्षेत्रों की चुनौतियों का सामना करने के लिए विशेषज्ञों एवं अधिकारियों के विभिन्न अधिकार संपन्न समूह बने थे, वैसे ही कल सात नए अधिकार संपन्न समूहों का गठन किया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये समूह गैस, महंगाई आदि विषयों पर विचार कर समाधान के लिए काम करेंगे।

मोदी ने कहा कि उन्होंने युद्ध की शुरुआत के बाद से पश्चिम एशिया के ज्यादातर देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ दो दौर में फोन पर बात की है। ''हम खाड़ी के सभी देशों के साथ लगातार संपर्क में हैं। हम ईरान, इजराइल और अमेरिका के साथ भी संपर्क में हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारा लक्ष्य संवाद और कूटनीति के माध्यम से क्षेत्र में शांति की बहाली का है। हमने संघर्ष को कम करने और होर्मुज मार्ग को खोलने के बारे में भी बातचीत की है।''

## चैती छठ

मंगलवार को पटना में 'चैती छठ' पर्व के दौरान महिलाएं गंगा नदी में धार्मिक अनुष्ठान करती हुईं।

# किसानों की आय दोगुनी ही नहीं, आठ गुनी तक बढ़ी है : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- यह गलत धारणा बनाई जा रही है कि किसानों की आय दोगुनी करने का मोदी सरकार का वादा पूरा नहीं हुआ।

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि केंद्र सरकार के अनेक उपायों के कारण देश में किसानों की आय केवल दोगुनी ही नहीं, बल्कि तीन गुनी भी हुई है और कई कृषकों की आमदनी तो आठ गुनी तक बढ़ी है। चौहान ने तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत राय के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही।

राय ने पूछा था कि सरकार बताए कि ''किसानों की आय वास्तव में कब दोगुनी होगी और उनके खुदकुशी के मामले कब शून्य पर आएंगे?''

चौहान ने कहा, ''देश में कई किसानों की आय दोगुनी हुई है। मैं जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि केवल दोगुनी नहीं, बल्कि कई किसानों की आमदनी तिगुनी और चौगुनी भी हुई है। और कई की तो आठ गुनी भी हुई है।'' उन्होंने कहा कि यह गलत धारणा बनाई जा रही है कि किसानों की आय दोगुनी करने का मोदी सरकार का वादा पूरा नहीं हुआ।

कृषि मंत्री ने हरियाणा के रेवाड़ी के एक किसान का नाम लेते हुए कहा कि वह ऐसे कई किसानों के नाम गिना सकते हैं जिनकी आमदनी दोगुनी से अधिक हुई है।

चौहान ने कहा, ''इसके लिए हमने गंभीरता से उपाय किए हैं। हमने कृषि बजट बढ़ाकर 1,30,000 करोड़ रुपए से ज्यादा किया। हमने उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाई और 2014 के बाद देश में 44 प्रतिशत अलग-अलग खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़ा है। किसानों को छह हजार रुपए की किसान सम्मान निधि उनके खातों में दी जाती है। राजग सरकार ने किसानों को 28 लाख करोड़ रुपए संस्थागत ऋण भी दिया है।''

समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्य धर्मेंद्र यादव ने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश से जुड़ा पूरक प्रश्न पूछा। उन्होंने जब आगे कुछ कहना चाहा तो आसन से इसकी अनुमति नहीं दी गई। इस पर वह जोर-जोर से अपनी बात रखने का प्रयास करते सुने गए।

अध्यक्ष बिरला ने प्रश्नकाल में संक्षिप्त में प्रश्नोत्तर का आग्रह करते हुए कहा, ''मेरा सदस्यों से और मंत्रिगणों से भी आग्रह है कि कभी भी इतना उतेजित होने की आवश्यता नहीं है।

## हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति के लिए भारत की भूमिका 'अपरिहार्य': ट्रंप प्रशासन

**नई दिल्ली/भाषा।** ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के साथ-साथ एशिया में अनुकूल शक्ति संतुलन सुनिश्चित करने के लिए भारत की भूमिका अपरिहार्य है। उन्होंने भू-राजनीति में हो रहे व्यापक बदलाव के मद्देनजर दोनों पक्षों के बीच गहरे रक्षा संबंधों के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। अमेरिकी युद्ध नीति के उप सचिव एलब्रिज कोल्बी ने अनंत केंद्र में अपने संबोधन में भारत-अमेरिका रणनीतिक जुड़ाव के महत्व को रेखांकित करते हुए चार प्रमुख बिंदुओं को सूचीबद्ध किया और इस बात पर जोर दिया कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में किसी एक शक्ति का प्रभुत्व नहीं होना चाहिए। उनके इस बयान को परोक्ष रूप से चीन की तरफ संकेत के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा, ''अमेरिका का मानना है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अनुकूल शक्ति संतुलन सुनिश्चित करने में भारत केंद्रीय भूमिका निभाएगा। इस संदर्भ में, एक मजबूत और आत्मविश्वासी भारत न केवल भारतीय जनता के लिए अच्छा है,

### नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया

# मोदी सरकार में विदेश नीति 'जगहंसाई' का विषय बनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की विदेश नीति को अपनी ''निजी विदेश नीति'' बना लिया है तथा यह 'जगहंसाई' का विषय बन गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर 'कमजोर' होने का आरोप फिर लगाया और कहा कि वह वही करेंगे जो अमेरिका और इजराइल कहेंगे।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''हमारी विदेश नीति प्रधानमंत्री की निजी विदेश नीति है। आप इसका नतीजा देख सकते हैं। 'जगहंसाई' हो रही है। हर कोई इसे 'जगहंसाई' मानता है।'' उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जानते हैं कि मोदी क्या कर सकते हैं और क्या नहीं कर सकते हैं।

राहुल गांधी का कहना था, ''अगर प्रधानमंत्री कमजोर हैं तो विदेश नीति कमजोर है।'' उन्होंने दावा किया, ''प्रधानमंत्री ने गैरप्रासंगिक भाषण दिया। वह भारत के प्रधानमंत्री हैं, यह दिखना चाहिए।''

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री को विदेश नीति को लेकर समझ नहीं हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि आने वाले समय में एलपीजी, पेट्रोल को लेकर समस्या आएगी।

## अजित पवार की मृत्यु: बेंगलूरु में 'जीरो एफआईआर दर्ज'

**बेंगलूरु/भाषा।** बेंगलूरु पुलिस ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती में विमान दुर्घटना में हुई मौत के संबंध में उनके भतीजे रोहित पवार की शिकायत पर एक मामला दर्ज किया है। रोहित पवार ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि यह हादसा उनके चाचा को खत्म करने की एक बड़ी आपराधिक साजिश का परिणाम थी। महाराष्ट्र के पुणे स्थित बारामती हवाई अड्डे के पास 28 जनवरी को वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित बॉम्बार्डियर लेयरजेट 45 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें पवार की मृत्यु हो गई। विमान मुंबई से बारामती जा रहा था और उसमें अजित पवार और चार अन्य लोग सवार थे, जिनकी इस दुर्घटना में मृत्यु हो गई। शिकायत के आधार पर, हाई ग्राउंड्स पुलिस ने 'जीरो एफआईआर' दर्ज की, जिसे किसी भी पुलिस थाने में दर्ज किया जा सकता है, चाहे अपराध कहीं भी हुआ हो।

## एलपीजी संकट

मंगलवार को चिक्कमगलुरु में एलपीजी सिलेंडर की कमी के चलते लोग गैस सिलेंडर के लिए इंतजार करते हुए दिखाई दिए। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव से जुड़े वैश्विक सप्लाई चेन व्यवधान के कारण यह संकट उत्पन्न हुआ है।

# रूस ने यूक्रेन पर करीब 400 ड्रोन दागे, कई घायल

**कीव/एपी।** रूस की ओर से यूक्रेन के नागरिक इलाकों पर किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 27 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मॉस्को की सेना ने यूक्रेनी अग्रिम पंक्ति की रक्षा पंक्ति को भेदने के प्रयासों को तेज कर दिया है, जो वसंत ऋतु में होने वाले संभावित जमीनी आक्रमण की शुरुआत हो सकती है।

यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने रात भर में लगभग 400 लंबी दूरी के ड्रोन दागे, जो हाल के हफ्तों में सबसे बड़ा हमला है। यह हमला मंगलवार सुबह तक जारी रहा, जब दिन के उजाले में भी कई ड्रोन ने राजधानी कीव को निशाना बनाया। यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि इसके अलावा, रूस ने रात में 23 क्रूज मिसाइल और सात बैलिस्टिक मिसाइलें भी दागीं, जिनसे देशभर में कम से कम 10 स्थान प्रभावित हुए।

चार साल से भी अधिक समय पहले रूस द्वारा अपने पड़ोसी देश पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू करने के बाद से यूक्रेनी नागरिक लगातार बमबारी का सामना कर रहे हैं। पिछले एक साल में अमेरिका की मध्यस्थता में मॉस्को और कीव के बीच हुई वार्ताओं से कोई राहत नहीं मिली है।

# ईरान पर हवाई हमलों ने मचाई भारी तबाही

- तेहरान ने इजराइल और खाड़ी देशों को निशाना बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**दुबई/एपी।** ईरान पर मंगलवार को किए गए हवाई हमलों ने राजधानी तेहरान में भारी तबाही मचाई, लेकिन ईरानी मिसाइलों और ड्रोन ने भी इजराइल के तेल अवीव और पश्चिम एशिया के कई ठिकानों को निशाना बनाया। हालांकि, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका युद्ध समाप्त करने के लिए इस्लामिक गणराज्य के साथ बातचीत कर रहा है।

हजारों और अमेरिकी मरीन सैनिकों के खाड़ी क्षेत्र की ओर रवाना होने, दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर तीव्र हमला जारी रहने और ईरान द्वारा किसी भी प्रकार की बातचीत से इनकार करने के बीच युद्ध तेज होता दिखा।

हालांकि, इसके एक दिन पहले ट्रंप ने ईरान को दी गई वह समय सीमा भी आगे बढ़ा दी, जिसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को जहाजों के लिए नहीं खोलने पर ईरान के ऊर्जा संयंत्रों को हवाई हमलों में निशाना बनाने की चेतावनी दी गई थी।

इस महत्वपूर्ण जलमार्ग पर तेहरान के नियंत्रण ने वैश्विक स्तर पर माल के परिवहन को बाधित कर दिया है, ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं और विश्व अर्थव्यवस्था के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है।

अमेरिका और ईरान के बीच किसी भी वार्ता (जिसका मंगलवार को होना बेहद अनिश्चित दिखा) को भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। वाशिंगटन के बदलते उद्देश्यों को अब भी हासिल करना मुश्किल है खासकर ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और परमाणु कार्यक्रम के संदर्भ में।

### ईरानी सशस्त्र बल 'पूर्ण विजय प्राप्त होने तक' लड़ते रहेंगे : शीर्ष सैन्य कमान के प्रवक्ता

दुबई/एपी। ईरान के शीर्ष सैन्य कमान के प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि उनके देश की सेनाएं 'पूर्ण विजय प्राप्त होने तक' लड़ेंगी।

खातम-अल अंबिया केंद्रीय मुख्यालय के मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही अलीबादी की ये टिप्पणियां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस घोषणा से संबंधित प्रतीत होती हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि तेहरान और वाशिंगटन के बीच बातचीत जारी है। ईरान ने किसी भी प्रकार की बातचीत से इनकार किया है, हालांकि उसके विदेश मंत्री क्षेत्र के अपने समकक्षों से बात कर रहे हैं।

### प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा की

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा की। यह जानकारी भारत में अमेरकी राजदूत सर्जियो गोर ने दी। गोर ने सोशल मीडिया पर कहा, ''राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी की अभी बातचीत हुई। उन्होंने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने का महत्व भी शामिल है।''

### ईरान युद्ध की समाप्ति के लिए वार्ता की मेजबानी को तैयार है पाकिस्तान : शहबाज शरीफ

**इस्लामाबाद/एपी।** पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को कहा कि उनका देश ईरान युद्ध को समाप्त करने के लिए ''सार्थक और निर्णायक वार्ता को सुगम बनाने'' के लिए तैयार है। शरीफ ने यह टिप्पणी 'एक्स' पर एक पोस्ट में की।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है। पाकिस्तान उन देशों में से एक है जो ईरान और अमेरिका के बीच राजनयिक वार्ता के लिए पैरवी कर रहे हैं।

शरीफ ने पोस्ट में कहा, ''अमेरिका और ईरान की सहमति होने पर पाकिस्तान संघर्ष के व्यापक समाधान के लिए सार्थक और निर्णायक वार्ता की मेजबानी करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए तैयार है तथा इसे अपने लिए सम्मान की बात मानता है।''

# अब बुंदेलखंड अंचल से कोई किसान नहीं करेगा पलायन : मुख्यमंत्री यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**दतिया/भाषा।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को कहा कि केन-बेतवा लिंक नदी जोड़ो परियोजना से बुंदेलखंड अंचल और आसपास के जिलों के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिलेगा तथा फिर इस क्षेत्र से कोई किसान पलायन करने को विवश नहीं होगा।

यादव, दतिया जिले में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर जिले में 62.23 करोड़ लागत के 12 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया, जिनमें सांदीपनि विद्यालय, दैवीय स्थल रतनगढ़ में यात्री निवास, स्टेडियम सहित अन्य विकास कार्य शामिल थे।

मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में हितग्राहियों को कृषि यंत्र, पशुपालन, खाद्य प्र-संस्करण के लिए हितलाभ भी वितरित किए।

यादव ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई का क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, सिंचाई का क्षेत्रफल कभी साढ़े सात लाख हेक्टेयर था, जो अब बढ़कर 55 लाख हेक्टेयर तक पहुंच चुका है। पिछले दो साल में सिंचित भूमि का क्षेत्रफल लगभग दस लाख हैक्टेयर बढ़ गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन-बेतवा लिंक नदी जोड़ो परियोजना के माध्यम से बुंदेलखंड अंचल और आसपास के जिलों के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिलेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश को नदी जोड़ो परियोजना की महत्वपूर्ण सौगात दी है, जिसका लाभ उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों को भी मिलेगा। यादव ने कहा, अब बुंदेलखंड अंचल से कोई किसान पलायन करने को विवश नहीं होगा। उन्होंने किसानों से कहा कि फसल काटने के बाद वे खेतों में पराली को न जलाएं क्योंकि इससे भूमि की उर्वरा शक्ति क्षीण होती हैं।

# '11 वर्षों में 18,000 से अधिक जन औषधि केंद्र खुले, सस्ती दरों पर मिल रही जेनेरिक दवाएं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को कहा कि देशभर में 18,646 जन औषधि केंद्र संचालित हो रहे हैं, जो लोगों को किफायती दरों पर जेनेरिक दवाएं उपलब्ध करा रहे हैं।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के उत्तर में नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना की शुरुआत 2008 में संप्रग सरकार ने की थी, लेकिन वर्ष 2014 तक केवल 80 जन औषधि केंद्र ही खोले गए थे। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में इस योजना का तेजी से विस्तार हुआ है।

नड्डा ने बताया कि 28 फरवरी 2026 तक देश में 18,646 जन औषधि केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें से 2,370 केंद्र सरकारी अस्पतालों में खोले गए हैं, जहां दवाएं ब्रांडेड दवाओं की तुलना में लगभग 50 से 80 प्रतिशत तक सस्ती उपलब्ध कराई जाती हैं।

एक लिखित उत्तर में उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत उत्पाद सूची में 2,110 दवाएं और 315 सर्जिकल उपकरण, मेडिकल उपभोग्य वस्तुएं एवं अन्य उपकरण शामिल हैं, जो हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह, संक्रमण, एलर्जी और जठरांत्र संबंधी रोगों सहित प्रमुख चिकित्सीय श्रेणियों में आते हैं। उन्होंने बताया कि प्रयोगशाला अभिकर्मकों (लैब रीएजेंट) और टीकों को छोड़कर, राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची में शामिल लगभग सभी जेनेरिक दवाएं इस योजना के तहत उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दवाओं की उपलब्धता और पहुंच सुनिश्चित करने के लिए देशभर में पांच वेयरहाउस और 41 वितरकों के साथ एंड-टू-एंड आईटी सक्षम आपूर्ति शृंखला प्रणाली विकसित की गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय से प्राप्त जानकारी का हवाला देते हुए नड्डा ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 'मुफ्त दवा सेवा पहल' (फ्री ड्रग्स सर्विस पहल) लागू की गई है, ताकि सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो और मरीजों की जेब से होने वाले खर्च में कमी लाई जा सके। इसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं के आधार पर सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में मुफ्त आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है।

## स्वतंत्रता सेनानियों की शहादत एक सच्चाई है, आधिकारिक रिकॉर्ड से तय नहीं होता : सरकार

**नई दिल्ली/भाषा।** स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु सहित स्वतंत्रता सेनानियों की ''शहादत एक तथ्य है और यह आधिकारिक रिकॉर्ड से तय नहीं होता है। सरकार ने मंगलवार को एक लिखित प्रश्न के उत्तर में लोकसभा को इस बारे में सूचित किया। सवाल किया गया था कि क्या यह सच है कि कई स्वतंत्रता सेनानियों को अभी तक ''शहीद'' का दर्जा नहीं दिया गया है? इसके जवाब में गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अमूल्य योगदान इस चर्चा का एक अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''भारतीय इतिहास में उनके नाम हमेशा सुनहरे शब्दों में लिखे जाएंगे।'' मंत्री ने कहा, ''सरकार और पूरा देश स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उनके अमूल्य योगदान को स्वीकार करता है।'' उन्होंने कहा, संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रकाशित '1857 से 1947 तक भारत के स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों का शब्दकोश' में भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु समेत इन सभी स्वतंत्रता सेनानियों के नाम दर्ज हैं। इस पर भारत सरकार की स्थिति 1947 से अपरिवर्तित बनी हुई है।

# आरबीआई डिजिटल भुगतान में लोगों के अनुभव को बेहतर बनाने को उठा रहा कदम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** भारतीय रिजर्व बैंक कृत्रिम मेधा और एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीपीआई) का लाभ उठाकर ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने और भुगतान परिवेश को मजबूत करने के लिए और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा तथा भुगतान इंटेलिजेंस मंच विकसित कर रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है।

आरबीआई के कार्यकारी निदेशक पी वासुदेवन ने 'एमपीएआई मर्चेंट्स' दिवस 2026 के मौके पर अपने संबोधन में कहा, ''हम अधिक से अधिक डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा (डीपीआई) बना रहे हैं। हम इन सभी डीपीआई और एपीआई को बनाने के लिए एआई के उपयोग की बात कर रहे हैं। निश्चित रूप से, एआई और एपीआई इन सभी डीपीआई और आपकी सभी ऑनलाइन गतिविधियों का भविष्य होंगे।'' उन्होंने कहा कि डिजिटल लेनदेन की मात्रा में लगातार वृद्धि को देखते हुए केंद्रीय बैंक ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने और शिकायत निवारण को स्वचालित करने के लिए कृत्रिम मेधा के उपयोग पर विचार कर रहा है। वासुदेवन ने कहा, ''उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि मैं एक यूपीआई लेनदेन करता हूं और मुझे कोई समस्या आती है, लेनदेन पूरा नहीं होता है। यह स्वचालित रूप से इसे एक शिकायत के रूप में दर्ज करता है और प्रक्रिया को पूरा करने का प्रयास करता है। 'यूपीआई हेल्प' से भी यही सीखने और फिर ऐसे समाधान प्रदान करने की उम्मीद है जो व्यक्ति के लिए उपयोगी होंगे।'' उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रणाली संस्थानों को समय और संसाधनों की बचत करने में मदद कर सकती है, क्योंकि इनसे खासकर भुगतान की मात्रा में तेजी से वृद्धि होने के दौरान समस्याओं का समाधान मानवीय हस्तक्षेप के बिना ही हो जाएगा।

## देश में असमानता बढ़ रही, जीएसटी में अमीरों की हिस्सेदारी केवल चार प्रतिशतः कांग्रेस सांसद

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस के एक सांसद ने देश में आर्थिक असमानता बढ़ने का दावा करते हुए मंगलवार को लोकसभा में कहा कि इस समस्या का समाधान करने के लिए वित्त विधेयक में कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

कांग्रेस के नामदेव किरसन ने वित्त विधेयक, 2026 पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि देश की एक प्रतिशत आबादी के पास 40 प्रतिशत संपत्ति है, जबकि सबसे निचले तबके के 50 प्रतिशत लोगों के पास तीन से छह प्रतिशत संपत्ति है।

उन्होंने यह भी दावा किया कि 10 प्रतिशत पूंजीपतियों के पास देश की 70 प्रतिशत संपत्ति है। उन्होंने कहा, ''यह असमानता बढ़ती जा रही है। वित्त विधेयक में इसे कम करने को कोई प्रावधान नहीं किया गया है।''

## ईरान युद्ध से मराठवाड़ा से हल्दी का निर्यात रुका, घरेलू बाज़ार में कीमतें गिरीं

**छत्रपति संभाजीनगर/भाषा।** अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के कारण महाराष्ट्र के मराठवाड़ा इलाके से हल्दी का निर्यात रुक गया है, जिससे घरेलू बाज़ार में कीमतें 16,500 रुपए से गिरकर 13,000 रुपए प्रति क्विंटल रह गई हैं। शिवसेना के एमएलसी हेमंत पाटिल ने मंगलवार को बताया कि मराठवाड़ा में उगाई जाने वाली हल्दी खाड़ी और अफ़्रीकी देशों में निर्यात की जाती है, लेकिन पिछले महीने शुरू हुए युद्ध के कारण निर्यात पूरी तरह से रुक गया है।

हल्दी एक नकदी फसल है, जिसकी खेती हिंगोली ज़िले में लगभग दो लाख एकड़ ज़मीन पर की जाती है। यहां की 'वासमत' किस्म को 2024 में 'भौगोलिक पहचान' (जीआई) का दर्जा भी मिला है। पाटिल ने बताया कि हिंगोली और आसपास के इलाकों से हल्दी के कंटेनर प्रसंस्करण के बाद तमिलनाडु और केरल के रास्ते देश से बाहर भेजे जाते हैं। पाटिल हिंगोली में स्थित 'बालासाहेब ठाकरे हल्दी अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र' के प्रमुख भी हैं। उन्होंने कहा, ''हिंगोली, नांदेड़, वर्धा, परभणी, यवतमाल और वाशिम मराठवाड़ा के प्रमुख हल्दी उत्पादक ज़िले हैं। इन ज़िलों में हल्दी की कुल पैदावार लगभग 25 लाख टन होती है। अकेले हिंगोली ज़िले में ही हल्दी की खेती लगभग दो लाख हेक्टेयर ज़मीन पर की जाती है।''

## गुजरात के राजकोट में 3.2 तीव्रता का भूकंप आया

**राजकोट/भाषा।** गुजरात के राजकोट जिले में मंगलवार को 3.2 तीव्रता का भूकंप आया लेकिन इसमें जान -माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गांधीनगर स्थित भूकंपीय अनुसंधान संस्थान के अनुसार, भूकंप का झटका शाम 5.41 बजे दर्ज किया गया, जिसका केंद्र राजकोट से लगभग सात किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपश्चिम में 15 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। स्थानीय निवासियों ने कहा कि भूकंप के झटकों का पता नहीं चला।

# मीशो ने पेश किया 'वाणी' डिजिटल सहायक, अब बोलकर सामान मंगवा सकेंगे ग्राहक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु/भाषा।** ई-कॉमर्स मंच मीशो ने मंगलवार को 'वाणी' नाम से कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित एक ऐसी सुविधा शुरू करने की घोषणा की है, जो बोलकर खरीदारी करने में ग्राहकों की मदद करेगी। इस डिजिटल सहायक के जरिये कंपनी का लक्ष्य उन 50 करोड़ संभावित ग्राहकों तक पहुंचना है, जो फिलहाल इंटरनेट के जरिये सामान मंगाने में हिचकिचाते हैं।

वाणी - आपकी मीशो दोस्त नाम का यह सहायक उन लोगों के लिए बनाया गया है जिन्हें ऐप पर टाइप करना, फिल्टर लगाना या कीवर्ड के जरिये सामान खोजना मुश्किल लगता है। कंपनी के मुताबिक, यह अनूठी सेवा ग्राहकों को अपनी आम बोलचाल की भाषा में बात करके सामान खोजने, सवाल पूछने और खरीदारी पूरी करने की आजादी देती है। यह बिल्कुल वैसा ही अनुभव होगा जैसे किसी दुकान पर जाकर मुंह जुबानी सामान खरीदा जाता है। फरवरी, 2026 में इसके पहले चरण के परीक्षण के दौरान लगभग 15 लाख ग्राहकों ने इसका उपयोग किया। मीशो का कहना है कि इसके इस्तेमाल से बिक्री में 22% का उछाल देखा गया और सामान वापस करने या ऑर्डर कैंसिल करने के मामलों में भी कमी आई है। सॉफ्टबैंक के निवेश वाली यह कंपनी फिलहाल 'वाणी' को हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध करा रही है। आने वाले समय में इसे देश की अन्य प्रादेशिक भाषाओं में भी धीरे-धीरे पेश किया जाएगा।

## गुजरात विधानसभा में पेश किया गया समान नागरिक संहिता विधेयक

**गांधीनगर/भाषा।** गुजरात सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में गुजरात समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, 2026 पेश किया, जिसमें धर्म से परे हटकर विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और सह-जीवन संबंध को विनियमित करने के लिए एक समान कानूनी ढांचे का प्रस्ताव है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने यह विधेयक विधानसभा में पेश किया। राज्य सरकार द्वारा नियुक्त एक विशेषज्ञ समिति ने यूसीसी के क्रियान्वयन के विषय पर एक सप्ताह पहले अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। यदि यह विधेयक विधानसभा में पारित हो जाता है, तो गुजरात, उत्तराखंड के बाद समान नागरिक संहिता विधेयक पारित करने वाला देश का दूसरा राज्य बन जाएगा। उत्तराखंड ने फरवरी 2024 में यूसीसी विधेयक पारित किया था। 'गुजरात समान नागरिक संहिता, 2026' नामक यह प्रस्तावित कानून पूरे राज्य में लागू होगा और गुजरात की सीमा से बाहर रहने वाले राज्य के निवासियों पर भी प्रभावी होगा।

## उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने 'हॉल ऑफ फेम' का किया दौरा, भारतीय सेना के पराक्रम को सराहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लेह/भाषा।** लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मंगलवार को यहां 'हॉल ऑफ फेम' का दौरा किया और युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। चौदहवीं कोर के 'जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी)' लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला ने उपराज्यपाल का स्वागत किया।

सक्सेना ने बेहद कठिन और प्रतिकूल परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को नमन किया । उन्होंने कहा कि शत्रु सेनाओं के विरुद्ध देश की रक्षा करते हुए सैनिकों द्वारा किए गए बलिदानों को हमेशा कृतज्ञता और सम्मान के साथ याद किया जाना चाहिए। उपराज्यपाल ने कहा, हमारे देश की स्वतंत्रता, गौरव और गरिमा के लिए प्राणों की आहुति देने वाले सशस्त्र बलों के शहीदों को मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि। हम भारतीय शहीदों और उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता के ऋणी हैं।'' उन्होंने कहा कि 'हॉल ऑफ फेम' भारतीय सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को सही मायने में गौरवान्वित करता है।

# अब ट्रेन के प्रस्थान करने से आठ घंटे पहले तक टिकट रद्द कराने पर पैसा वापस नहीं मिलेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को टिकट क्षेत्र में सुधारों की घोषणा करते हुए कहा कि ट्रेन के प्रस्थान करने के आठ घंटे पहले तक कंफर्म टिकट रद्द करने पर कोई पैसा वापस नहीं मिलेगा, जबकि वर्तमान में यह नियम चार घंटे का है।

मंत्री ने बताया कि पुनर्भुगतान का नया नियम इस साल एक से 15 अप्रैल के बीच लागू होगा। टिकट रद्दीकरण के अन्य नियमों में भी बदलाव किया गया है। अब ट्रेन के प्रस्थान करने से 24 घंटे से आठ घंटे पहले टिकट रद्द करने पर केवल 50% राशि का पुनर्भुगतान किया जाएगा जबकि वर्तमान में यह अवधि 12 घंटे से चार घंटे है। इसी प्रकार, ट्रेन के प्रस्थान करने के समय से 72 से 24 घंटे पहले टिकट रद्द करने पर टिकट की कुल राशि में से 25% की कटौती की जाएगी। संशोधित नियमों के तहत ट्रेन के प्रस्थान से 72 घंटे से अधिक समय पहले किए गए टिकट रद्दीकरण पर प्रति यात्री एक निश्चित राशि काटने के बाद पूरी राशि वापस कर दी जाएगी। वर्तमान नीति के तहत ट्रेन के प्रस्थान करने से 48 से 12 घंटे पहले टिकट रद्द करने पर कुल राशि में 25% की कटौती होती है, जबकि 48 घंटे से अधिक पहले किए गए रद्द करने पर पूरी राशि वापस कर दी जाती है। कालाबाजारी और एजेंटों द्वारा अंतिम समय में टिकट की बिक्री को हतोत्साहित करने के लिए पुनर्भुगतान नियमों में बदलाव किया जा रहा है। रेल मंत्री द्वारा मंगलवार को सभी रेलगाड़ियों के लिए घोषित किया गया नया पुनर्भुगतान नियम जनवरी के उत्तरार्ध में ही वंदे भारत स्लीपर व अमृत भारत-2 रेलगाड़ियों में लागू किया जा चुका है।

## नासिकः 'स्वयंभू बाबा' के खिलाफ जांच का दायरा बढ़ा, 1,500 करोड़ रुपए की संपत्ति, 100 वीडियो बरामद

**मुंबई/भाषा।** 'स्वयंभू बाबा' एवं बलात्कार के आरोपी अशोक खरात के खिलाफ मामलों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 1,500 करोड़ रुपए की संपत्ति और 100 आपत्तिजनक वीडियो बरामद किए हैं। यह जानकारी एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को दी। अधिकारी ने बताया कि इस बरामदगी से जांच का दायरा बढ़ा है और नासिक पुलिस और आयकर विभाग को भी जांच में शामिल किया गया है।

खरात नासिक जिले के सिन्नर में एक मंदिर ट्रस्ट का प्रमुख है और जिससे वर्षों से कई नेता मिलने आते रहे हैं। खरात को 18 मार्च को गिरफ्तार किया गया था, जब 35-वर्षीय एक महिला ने उस पर तीन साल की अवधि में बार-बार बलात्कार करने का आरोप लगाया था। खरात के खिलाफ सात महीने की गर्भवती महिला और एक अन्य महिला का फिर से विवाह कराने के नाम पर यौन शोषण करने के आरोप में दो और मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया, ''एसआईटी ने 100 आपत्तिजनक वीडियो और खरात से संबंधित लगभग 1,500 करोड़ रुपए की संपत्ति बरामद की है। आयकर विभाग खरात और उससे जुड़े लोगों की वित्तीय अनियमितताओं और संपत्ति की जांच कर रहा है, जबकि साइबर पुलिस वीडियो की जांच कर रही है।''

## ट्रंप के बयान से शेयर बाजार में तेजी लौटी; सेंसेक्स 1,372 अंक चढ़ा, निफ्टी 400 अंक मजबूत

मुंबई/भाषा। स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को तेजी लौटी और मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 1,372 अंक उछल गया, जबकि एनएसई निफ्टी में 400 अंक की बढ़त रही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले की योजना को अस्थायी रूप से टाले जाने की घोषणा के बाद एशिया के अन्य बाजारों में तेजी के साथ घरेलू बाजार बढ़त में रहे।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,372.06 अंक यानी 1.89 प्रतिशत चढ़कर 74,068.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 1,793 अंक तक चढ़ गया था।

पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 399.75 अंक यानी 1.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,912.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में लार्सन एंड टुब्रो, इंटरग्लोब एविएशन, इटर्नल, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस और अल्ट्राटेक सीमेंट प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, केवल पावर ग्रिड और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में गिरावट आई। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की समयसीमा बढ़ा दी है।

# पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच लागत और बढ़ी तो हवाई किराये बढ़ेंगे, मांग प्रभावित होगी : इंडिगो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति के आधार पर गर्मियों के कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में बदलाव हो सकता है।

कंपनी ने साथ ही कहा कि यदि लागत और बढ़ती है तथा उसके कारण हवाई किराये में वृद्धि होती है तो इससे मांग प्रभावित हो सकती है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतें बढ़ गई हैं और पश्चिम एशिया में हवाई क्षेत्र पर लगाए गए प्रतिबंधों से एयरलाइन कंपनियों का परिचालन भी प्रभावित हुआ है।

भारतीय एयरलाइन कंपनियां कुल परिचालन लागत का करीब 40 प्रतिशत विमान ईंधन पर खर्च करती हैं। इंडिगो के प्रवक्ता ने मंगलवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि कंपनी अप्रैल में शुरू होने वाले घरेलू ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम (शेड्यूल) में करीब 2,000 दैनिक उड़ानें संचालित करने की योजना बना रही है।

प्रवक्ता ने कहा, '' इंडिगो का अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम सर्दियों के कार्यक्रम के समान स्तर पर तय किया गया है लेकिन पश्चिम एशिया की मौजूदा परिस्थितियों के आधार पर परिचालन का पैमाना बदल सकता है। ईंधन तथा विदेशी मुद्रा से जुड़ी लागत में पहले से ही काफी वृद्धि हो रही है और इनके आगे भी काफी बढ़ने की आशंका है।''

वर्तमान में तय उड़ानों की संख्या 2025 के ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के लगभग बराबर है, लेकिन यह मौजूदा सर्दियों के कार्यक्रम में निर्धारित उड़ानों से कम है। इंडिगो को पिछले साल दिसंबर की शुरुआत में बड़े परिचालन व्यवधान के कारण सर्दियों का कार्यक्रम कम करना पड़ा था।

# कंबोडिया से जुड़े साइबर ठगी गिरोह का खुलासा, 11 भारतीय गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी और मुंबई से संचालित एक संगठित साइबर धोखाधड़ी गिरोह में संलिप्तता के आरोप में 11 जालसाजों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने एक वरिष्ठ नागरिक से 22 लाख रुपए से अधिक की कथित रूप से ठगी की थी। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि पीड़ित के साथ निवेश पर उच्च रिटर्न का झांसा देकर ठगी की गई। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा है, जो 'म्यूल बैंक' खातों (दूसरों के नाम पर खोले गए खातों) के जरिए साइबर धोखाधड़ी को अंजाम देता था। यह नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय ऑपरेटरों से जुड़ा हुआ था और भारतीय नागरिकों को निशाना बना रहा था। इन ऑपरेटरों में कंबोडिया के लोग भी शामिल थे। अधिकारी ने बताया, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के साइबर थाने में 21 नवंबर, 2025 को मामला दर्ज किया गया था, जब 60 वर्षीय शिकायतकर्ता ने निवेश के नाम पर 22.67 लाख रुपए की ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी।

पीड़ित को सोशल मीडिया पर एक विज्ञापन के जरिए लालच दिया गया था, जिसमें वित्त मंत्री के बयान को गलत तरीके से पेश किया गया था और एआई-आधारित ट्रेडिंग मंच को बढ़ावा दिया गया था। इसमें उच्च रिटर्न का वादा किया गया था।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने शिकायतकर्ता को एक कंपनी से जुड़े खातों में पैसे स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। पैसे स्थानांतरित होने के बाद अचानक संपर्क खत्म कर दिया गया और पीड़ित को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है।

अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान, एक टीम ने आरोपियों की पहचान करने के लिए धन के लेन-देन का विश्लेषण किया, तकनीकी निगरानी की, कॉल रिकॉर्ड की जांच की और सोशल मीडिया ट्रैकिंग की। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि दिल्ली के रोहिणी और नेताजी सुभाष प्लेस से एक गिरोह सक्रिय था, जहां 'म्यूल' बैंक खाते खोलने और प्रबंधित करने के लिए मुखौटा कार्यालय स्थापित किए गए थे और इन स्थानों पर छापेमारी की गई, जिसके बाद पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई।

ग्रुप फोटो

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, विधानसभा अध्यक्ष यू. टी. खादर, उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, विपक्ष के नेता आर. अशोक और अन्य मंत्रियों ने 2026 में अपना कार्यकाल पूरा करने वाले सदस्यों के साथ विधान सौध में एक समूह चित्र खिंचवाया।

# चिन्नास्वामी में आईपीएल मैच के दौरान कड़ी सुरक्षा, ट्रैफिक पर पाबंदियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होगी। पहले ही दिन बेंगलूरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच मुकाबला खेला जाएगा, जिससे पहले क्रिकेट मुकाबलों के लिए सुरक्षा और ट्रैफिक के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 28 मार्च को शुरुआती मैच के बाद 5 अप्रैल को आरसीबी और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला आयोजित होगा, जिसके बाद 10 अप्रैल को यहां आरसीबी के सामने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) होगी। 12 अप्रैल को यहां आरसीबी का सामना मुंबई इंडियंस (एमआई) से होगा। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बताया कि ये इंतजाम समिति की सिफारिशों के मुताबिक किए गए हैं, ताकि सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और मैच बिना किसी रुकावट के हो सकें। सीमांत कुमार सिंह ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि स्टेडियम में सिर्फ उन्हीं दर्शकों को एंट्री मिलेगी जिनके पास वैलिड डिजिटल टिकट होंगे। जिनके पास टिकट नहीं होंगे, उन्हें स्टेडियम के अंदर या उसके आस-पास इकट्ठा होने की इजाजत नहीं होगी। पुलिस ने पार्किंग के इंतजाम किए हैं, जिसमें पेड पार्किंग की सुविधा भी शामिल है। इसके साथ ही लोगों को मेट्रो सेवाओं का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, जिसके लिए इंटीग्रेटेड टिकटिंग के विकल्प भी उपलब्ध कराए गए हैं।

यात्री एमजी रोड और कब्बन पार्क मेट्रो स्टेशनों के जरिए स्टेडियम तक पहुंच सकते हैं। ये दोनों ही स्टेशन स्टेडियम के काफी करीब हैं। अधिकारियों ने लोगों से ट्रैफिक जाम कम करने के लिए बीएमटीसी बसों का इस्तेमाल करने की भी अपील की है। तैयारियों के तहत मॉक ड्रिल और इवैक्यूएशन (निकासी) अभ्यास भी किए गए हैं। स्टेडियम के आसपास एम्बुलेंस और मेडिकल टीमों को भी तैनात किया गया है।

उल्लेखनीय है कि 4 जून 2025 को बेंगलूरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान भगदड़ मच गई थी। इस हादसे में 11 फैंस की जान चली गई थी और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। यह हादसा भारी भीड़भाड़ के कारण हुआ था, जिसमें करीब 3,00,000 लोग मौजूद थे। आईपीएल सीजन की शुरुआत से पहले आरसीबी मैनेजमेंट के अधिकारी राजेश मेनन ने कहा कि इस घटना में जान गंवाने वालों की याद में 11 सीटें आरक्षित की जाएंगी।

सम्मान के प्रतीक के तौर पर काली पट्टियां बांधी जाएंगी। खिलाड़ी भी काली पट्टियां पहनेंगे। मेनन ने कहा कि भगदड़ की घटना में जान गंवाने वाले 11 लोगों के परिवारों के संबंध में मैनेजमेंट ने अपनी तरफ से जो कुछ भी हो सकता था, वह पहले ही कर दिया है। भविष्य में इन परिवारों के लिए और क्या किया जा सकता है, इस पर चर्चा की जाएगी। श्रद्धांजलि के तौर पर, मेनन ने घोषणा की कि 11 मृतकों के सम्मान में खिलाड़ी हर अभ्यास सत्र के दौरान जर्सी नंबर 11 पहनेंगे।

# राज्य के 325 शहरी स्थानीय निकायों में प्रतिदिन लगभग 7304 टन ठोस अपशिष्ट उत्पन्न हो रहा है : रहीम खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नगर प्रशासन और हज मंत्री रहीम खान ने कहा कि राज्य के 325 शहरी स्थानीय निकायों (ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण को छोड़कर) में प्रतिदिन लगभग 7304 टन ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होता है, जिसमें से 6083 टन अपशिष्ट का प्रसंस्करण किया जा रहा है। विधान परिषद सत्र में प्रश्नकाल के दौरान सदस्य डी.एस. अरुण के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)-1.0 योजना के तहत 219 शहरी स्थानीय निकायों में ठोस अपशिष्ट उपचार संयंत्र पहले से ही विकसित किए जा रहे हैं और कचरे का प्रसंस्करण किया जा रहा है।

उक्त शहरों में बुनियादी सुविधाओं और शुष्क अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधाओं की स्थापना और नवनिर्मित शहरों में अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों की स्थापना का कार्य स्वच्छ भारत मिशन (एन)-2.0 के अंतर्गत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में उच्च जनसंख्या घनत्व वाली प्रमुख सड़कों पर कचरा जमा न हो, यह सुनिश्चित करने और वार्ड स्तर पर नियमित दैनिक सफाई तथा घरों, दुकानों और वाणिज्यिक परिसरों से कचरा एकत्र करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) योजना के तहत, अपशिष्ट संग्रहण, परिवहन और अपशिष्ट प्रसंस्करण के लिए बुनियादी सुविधाओं के विकास हेतु एक विस्तृत योजना रिपोर्ट तैयार की गई है और राज्य के शहरी स्थानीय निकायों में एक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना लागू की जा रही है।

राज्य में कुल 325 शहरी स्थानीय निकाय हैं, जिनमें से 287 शहरी स्थानीय निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए जगह उपलब्ध है। 38 शहरी स्थानीय निकायों में जगह उपलब्ध नहीं है। अपशिष्ट का निपटान आसपास के शहरी स्थानीय निकायों में किया जा रहा है। जगह उपलब्ध होने के बावजूद, स्थान की कमी और अपशिष्ट उपचार प्रणालियों की स्थापना के प्रति जन विरोध के कारण उच्च न्यायालयों में मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इसके चलते अपशिष्ट उपचार इकाइयों की स्थापना में देरी हो रही है। हालांकि, शहरी स्थानीय निकायों में अपशिष्ट उपचार को विकेंद्रीकृत करने या क्लस्टर मॉडल में अपशिष्ट उपचार करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। ठोस अपशिष्ट संग्रहण और निपटान में लगे नगरपालिका कर्मचारियों को शहरी स्थानीय निकायों द्वारा गम बूट, वर्दी, दस्ताने, मास्क, रेनकोट आदि जैसे आवश्यक व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और अपना काम करने के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान किए जा रहे हैं।

# कर्नाटक व्यवसाय, व्यापार, आजीविका और व्यवसाय कर (संशोधन) विधेयक-2026 विधान परिषद में स्वीकृत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कृषि मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा द्वारा विधान परिषद में प्रस्तुत कर्नाटक विधानसभा द्वारा पारित कर्नाटक व्यवसाय, व्यापार, आजीविका और व्यवसाय कर (संशोधन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी गई। बाद में इस विधेयक के बारे में बात करते हुए मंत्री जी ने कहा कि यह एक बहुत ही सरल संशोधन है और पेशेवर कर लगाना संविधान में निहित है। जो लोग प्रति माह 25 हजार रुपये से अधिक कमाते हैं, उन्हें प्रति वर्ष 2500 रुपये कर देना होता है। उन्हें कर भुगतान के साथ-साथ रिटर्न भी दाखिल करना पड़ता था। इस संशोधन में रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया को हटा दिया गया है। इससे जनता को रिटर्न दाखिल करने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) के पास जाने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इससे हमारे कर्मचारियों का समय भी बचेगा।

हालांकि वरिष्ठ नागरिकों, सैन्यकर्मियों और दिव्यांगजनों को कर से छूट दी गई थी, लेकिन उन्हें शून्य रिटर्न दाखिल करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि इस संशोधन के बाद, उन्हें भी रिटर्न दाखिल करने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे जनता और हमारे कर्मचारियों का समय बर्बाद नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह संशोधन विधेयक इसलिए लाया गया है क्योंकि इसे प्रौद्योगिकी के माध्यम से पहले ही लागू किया जा चुका है और इसे कानून के माध्यम से लागू करने की आवश्यकता है।

# आधुनिक बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन और ब्यूटी सेंटर का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वेंकट सेंटर फॉर एस्थेटिक हेल्थ में एक आधुनिक बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन सेंटर का शुभारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य वजन घटाने, संपूर्ण शारीरिक रूपांतरण, सौंदर्यवर्धन और पाचन स्वास्थ्य में सुधार के माध्यम से मोटापे की समस्या का समाधान करना है। बनशंकरी में नए केंद्र का उद्घाटन फोर्टिस हॉस्पिटल्स के सीईओ डॉ. विवेक जावली ने किया। इस अवसर पर दिग्गज फिल्म अभिनेता श्रीनाथ और अन्य विशेषज्ञ डॉक्टर भी उपस्थित थे। वेंकट सेंटर फॉर एस्थेटिक हेल्थ की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में इस नए केंद्र का शुभारंभ किया गया है। यह केंद्र अधिक वजन की समस्या का व्यापक उपचार प्रदान करेगा। यह सुरक्षित, स्थायी और वैज्ञानिक रूप से आधारित वजन घटाने के साथ-साथ सौंदर्य, त्वचा और नींद संबंधी समस्याओं, जैसे कि वजन के कारण होने वाली खर्राटे की समस्याओं का भी व्यापक उपचार प्रदान करेगा।

उद्घाटन

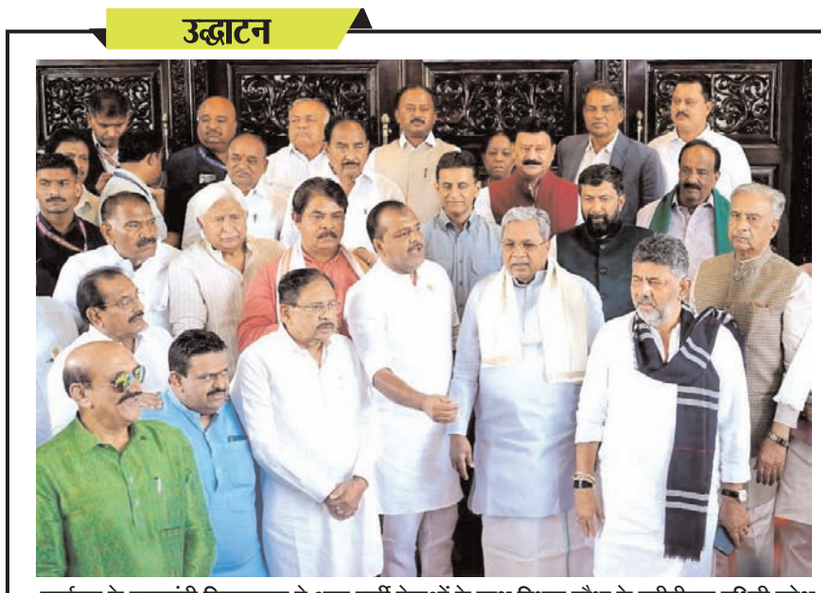

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने अन्य पार्टी नेताओं के साथ विधान सौधा के नवीनीकृत पश्चिमी प्रवेश द्वार का उद्घाटन किया।

# हुब्बल्ली-धारवाड़ नगर निगम के लिए 3792 पदों को मंजूरी दी गई है : बी.एस. सुरेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहरी विकास और नगर नियोजन मंत्री बी.एस. सुरेश ने कहा कि हुब्बल्ली-धारवाड़ नगर निगम के लिए 3792 पदों को स्वीकृत किया गया है। मंगलवार को विधान परिषद सत्र में प्रश्नकाल के दौरान सदस्य एस.वी.एच. संकनुरा के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने बताया कि स्वीकृत 3792 पदों में से 1059 पद स्थायी अधिकारियों और कर्मचारियों के रूप में कार्यरत हैं, जबकि 1760 कर्मचारी आउटसोर्स आधार पर काम कर रहे हैं। शेष 973 रिक्त पदों को चरणबद्ध तरीके से भरा जाएगा।

उन्होंने कहा कि नगर निगम में कार्यरत सभी कर्मचारियों का वेतन एसएफसी अनुदान के अंतर्गत वार्ड को स्वीकृत वेतन अनुदान और निगम के स्वयं के संसाधनों से दिया जाता है। सेवा से सेवानिवृत्त हुए या असमय मृत्यु हो चुके अधिकारियों और कर्मचारियों को पेंशन संबंधी सेवा सुविधाएं स्वीकृत कराने के प्रस्ताव धारवाड़ स्थित पेंशन, लघु बचत एवं परिसंपत्ति एवं ऋण प्रबंधन विभाग को प्रस्तुत किए जाते हैं। इसके बाद, लघु बचत एवं परिसंपत्ति एवं ऋण प्रबंधन विभाग द्वारा आदेशित पेंशन मामलों के लिए पेंशनभोगियों को लाभ का भुगतान कोषागार हुब्बल्ली-धारवाड़ के कोषागार अधिकारियों द्वारा सीधे किया जाता है। पेंशनभोगियों के लिए अर्जित अवकाश नकदीकरण सुविधा का भुगतान एसएफसी अनुदान के तहत निगम को स्वीकृत वेतन अनुदान से किया जाता है।

हुब्बल्ली-धारवाड़ नगर निगम के कर्मचारियों का वेतन नियमित रूप से हर महीने दिया जा रहा है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन का भुगतान पेंशन, लघु बचत एवं परिसंपत्ति एवं ऋण प्रबंधन निदेशालय द्वारा सीधे किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष राज्य वित्त आयोग के वेतन अनुदान से 70.59 करोड़ रुपये और नगर निगम के अपने संसाधनों से लगभग 21.00 करोड़ रुपये नगर निगम के कर्मचारियों के वेतन पर खर्च किए गए।

# एमबीबीएस छात्र ने की आत्महत्या, हॉस्टल के कमरे में मिला शव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीदर। कर्नाटक के बीदर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (बीआरआईएमएस) के हॉस्टल में मंगलवार को एमबीबीएस के अंतिम वर्ष के एक छात्र ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। इस दुखद घटना ने छात्र समुदाय और स्थानीय लोगों को स्तब्ध कर दिया है। मृतक की पहचान 21 वर्षीय अनीश्कर चौहान के रूप में हुई है, जो कलबुर्गी जिले के चिंचोली तालुक के सालगर थंडा गांव का निवासी था। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि छात्र ने ऑनलाइन गेम में पैसे हारने के बाद यह कदम उठाया होगा। हालांकि, पुलिस ने कहा कि घटना के सटीक कारण का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

वह बीआरआईएमएस में एमबीबीएस के अंतिम वर्ष में पढ़ रहा था और डॉक्टर बनने की ख्वाहिश रखता था। पुलिस के अनुसार, यह घटना कॉलेज के छात्रावास में घटी, जहां चौहान अपने कमरे में छत के पंखे से लटका हुआ मिला। साथी छात्रों और छात्रावास कर्मचारियों द्वारा स्थिति को देखकर अधिकारियों को सूचित करने के बाद मामला सामने आया। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रारंभिक जांच की। पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुंटी ने भी घटनास्थल का दौरा किया और मामले से संबंधित परिस्थितियों की समीक्षा की। युवा मेडिकल छात्र की अचानक मृत्यु ने छात्रों में ऑनलाइन गेमिंग की लत और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। खबरों के मुताबिक, चौहान ऑनलाइन गेम खेल रहा था और बताया जा रहा है कि उसने गेम में करीब 80,000 रुपए गंवा दिए थे। माना जा रहा है कि इस वजह से वे बेहद परेशान था और मानसिक तनाव में था। आशंका है कि इसी मानसिक दबाव ने उन्हें यह चरम कदम उठाने पर मजबूर किया होगा।

# कर्नाटक विधानसभा के बजट सत्र में एक दिन की कटौती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा के बजट सत्र में एक दिन की कटौती कर दी गई है और अब यह 26 मार्च को समाप्त होगा। खबरों के मुताबिक, राज्य में दो विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनावों के कारण यह फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा छह मार्च को 2026-27 का बजट पेश करने के साथ राज्य विधानसभा का बजट सत्र शुरू हुआ था, जो मूल रूप से 27 मार्च को समाप्त होने वाला था।

विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने मंगलवार को विधानसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक के बाद बजट सत्र में एक दिन की कटौती करने की घोषणा सदन में की। उन्होंने कहा, बीएसी के निर्णय के अनुसार, बजट और मांगों पर चर्चा आज (24 मार्च) समाप्त हो जाएगी। मुख्यमंत्री 26 मार्च को इन चर्चाओं का जवाब देंगे, जिसके बाद विनियोग विधेयक पर चर्चा होगी और उसे पारित किया जाएगा। 26 मार्च को कामकाज खत्म होने के बाद सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया जाएगा।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, विधानसभा अध्यक्ष ने सत्र में एक दिन की कटौती का कारण नहीं बताया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आगामी उपचुनावों को ध्यान में रखते हुए ऐसा किया गया है, क्योंकि नेता, मंत्री और विधायक चुनाव प्रचार में भाग लेंगे। विपक्ष के नेता आर अशोक और श्रम मंत्री संतोष लाड ने सोमवार को संकेत दिया था कि उपचुनावों के कारण सत्र में एक दिन की कटौती की जा सकती है।

# बेंगलूरु मेट्रो परियोजना के लिए 10,248 करोड़ येन का कर्ज देगी जेआईसीए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) ने मंगलवार को केंद्र सरकार के साथ एक ऋण समझौता किया है, जिसके तहत बेंगलूरु मेट्रो रेल परियोजना की तीसरे चरण के लिए 10,248 करोड़ जापानी येन की आधिकारिक विकास सहायता (ओडीए) कर्ज दिया जाएगा। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के संयुक्त सचिव आलोक तिवारी और जेआईसीए के भारतीय कार्यालय के मुख्य प्रतिनिधि ताकेउची ताकुरो के बीच नयी दिल्ली में इस ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। जेआईसीए के अनुसार, इस परियोजना का उद्देश्य कर्नाटक के बेंगलूरु महानगर क्षेत्र में बढ़ती यातायात मांग को पूरा करने के लिए परिवहन प्रणाली का विस्तार करना है। एक बयान में कहा गया कि इस पहल से क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने, शहरी पर्यावरण में सुधार होने और वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण होने वाली यातायात भीड़भाड़ और प्रदूषण को कम करके जलवायु परिवर्तन को कम करने में मदद मिलेगी। इस परियोजना में लगभग 44.65 किलोमीटर मेट्रो लाइन के लिए सिविल और आर्किटेक्चरल कार्य शामिल होंगे, जिसमें 31 एलिवेटेड स्टेशन होंगे। ये स्टेशन आउटर रिंग रोड खंड (कॉरिडोर 3-1) और पश्चिमी विकास कॉरिडोर (कॉरिडोर 3-2) को कवर करते हैं। एयरपोर्ट लाइन और लाइन 6 से जुड़कर, यह परियोजना शहर के केंद्र के चारों ओर एक गोलाकार नेटवर्क को पूरा करेगी, जिससे हवाई अड्डे तक पहुंच में काफी सुधार होगा, मौजूदा पूर्व-पश्चिम लाइनों के साथ इंटरचेंज मजबूत होगा और बेंगलूरु भर में समग्र यात्रा दक्षता में वृद्धि होगी। यह फीडर बसों, साझा गतिशीलता सेवाओं और डबल डेकर वायडक्ट संरचनाओं सहित मल्टीमॉडल एकीकरण के माध्यम से ट्रांजिट - ओरिएंटेड डेवलपमेंट ( टीओडी ) को भी बढ़ावा देगी।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

अलमट्टी से वंदाल और वंदाल से अलमट्टी के बीच स्पीड रन

रेलवे सुरक्षा के मुख्य आयुक्त, नई दिल्ली, 25 मार्च 2026 को गदग - होटगी दोहरीकरण लाइन के हिस्से के रूप में अलमट्टी - वंदाल और वंदाल - अलमट्टी स्टेशनों के बीच वैधानिक निरीक्षण और स्पीड ट्रायल रन आयोजित करेंगे। जनता को ट्रैक पर चलना या उसे पार करना नहीं चाहिए। यात्रियों के लिए नई लाइन को खोलने की अनुमति रेलवे सुरक्षा आयुक्त के प्रमाणीकरण के बाद ही दी जाएगी।

PUB/1008/AAF/PRB/SWR/2025-26 मुख्य अभियंता-I, निर्माण / हुबली

**रेलओन** ऐप डाउनलोड करें। **रेलओन** इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और **3%** तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

आवेदन अधिसूचना सं.: H/C.565/UTS/STBA/Engagement/UBL Divn/2025-26
दिनांक: 13.04.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी, **लखमापुर (एलकेवाई) और मुगलल्लि (एमजीएल)** स्टेशन पर अनारक्षित टिकट जारी करने का नियुक्ति के लिए **तीन (03) साल** की अवधि के लिए कमीशन के आधार पर पहचाने गए स्थानों के आसपास रहने वाले शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों से स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंटों (एसटीबीए) की नियुक्ति के लिए मुहरबंद आवेदन आमंत्रित करता है।

| स्टेशन का नाम | स्टेशन वर्ग | विभाग | आवेदन जमा करने की तिथि और समय | |
|---|---|---|---|---|
| लखमापुर (एलकेवाई) | एनएसजी-6 | गदग - बागलकोट | दिनांक | समय: |
| मुगलल्लि (एमजीएल) | | बागलकोट - विजयपुरा | 02.04.2026 | 11:00 बजे |

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.swr.indianrailways.gov.in में

PUB/1016/AAF/PRB/SWR/2025-26 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधक/हुबली

**रेलओन** ऐप डाउनलोड करें। **रेलओन** इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और **3%** तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

**बारिश और तूफान**

मंगलवार को बेलगावी के कई इलाकों में भारी बारिश और गरज के साथ तूफान आया। इस बेमौसम बारिश और तूफान के कारण स्थानीय जनजीवन और कामकाज में कुछ व्यवधान उत्पन्न हुआ है।

## उच्च जोखिम वाले ग्रामों एवं शहरी क्षेत्रों में होगा आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन : चिकित्सा मंत्री

जयपुर। विश्व टीबी दिवस के अवसर पर राज्य में टीबी मुक्त भारत अभियान-100 दिवसीय का शुभारंभ सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा मंत्री ने कहा कि टीबी (क्षय रोग) केवल एक बीमारी नहीं, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक एवं मानसिक रूप से व्यक्ति एवं परिवार को प्रभावित करने वाली एक गंभीर चुनौती है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के टीबी मुक्त भारत के संकल्प की दिशा में राजस्थान पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि राज्य ने वर्ष 2025 में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए 1 करोड़ 75 लाख से अधिक संभावित टीबी रोगियों की स्क्रीनिंग की है, जो देश में सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि राज्य में चिन्हित उच्च जोखिम वाले ग्रामों में आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना एवं टीबी के मामलों की शीघ्र पहचान सुनिश्चित करना है।

खींवसर ने कहा कि यह 100 दिवसीय अभियान जनभागीदारी के माध्यम से जनआंदोलन का रूप लेगा तथा प्रत्येक मरीज तक समय पर जांच एवं उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर चिकित्सा मंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा द्वारा नोएडा में किए गए शुभारंभ कार्यक्रम को ऑनलाइन वीसी के माध्यम से सभी उपस्थित अधिकारियों और जन समुदाय के साथ सुना और टीबी रोगियों को निक्षय पोषण किट का वितरण भी किया।

## शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने किया संपर्क हेल्पलाइन कंट्रोल रूम का निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ङ्खविभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) का निरीक्षण किया और स्वयं आमजन की समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्याओं एवं परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बेहद संवेदनशील और जनजन से जुड़ा विषय है, इसलिए संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की नियमित और प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को किसी तरह की तकलीफ का सामना नहीं करना पड़े।

श्रीमती राठौड़ ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी से जुड़े प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। संपर्क पोर्टल पर 23 मार्च 2025 से 23 मार्च 2026 तक चिकित्सा विभाग के कुल 79,512 प्रकरण दर्ज हुए, जिनमें से 74,455 (93.64 प्रतिशत) का निस्तारण किया जा चुका है।

इन मामलों के समाधान का औसत समय 18 दिन रहा तथा लगभग 66 प्रतिशत परिवादियों ने समाधान पर संतुष्टि व्यक्त की। इसी प्रकार चिकित्सा शिक्षा विभाग से जुड़े 9,830 प्रकरणों में से 9,230 (93.90 प्रतिशत) का निस्तारण किया गया। करीब 65 प्रतिशत परिवादी संतुष्ट पाए गए। वहीं राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी से संबंधित 15,457 प्रकरणों में से 14,417 (93.27 प्रतिशत) का समाधान किया गया। लगभग 72 प्रतिशत परिवादियों ने संतुष्टि जताई।

संपर्क हेल्पलाइन 181 के कंट्रोल रूम के निरीक्षण के दौरान श्रीमती राठौड़ ने स्वयं परिवादियों की समस्याएं सुनीं और उनसे सीधे संवाद कर फीडबैक लिया। कई मामलों में उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने जैसलमेर के उम्मेद सिंह, दौसा के मनीष, भरतपुर के तेजसिंह, डीडवाना-कुचामन के नेमीचंद बारूपाल, श्रीगंगानगर के सूरज कुमार, अलवर के राजाराम मीणा, जयपुर के लोकेन्द्र, संदीप शर्मा व प्रेम देवी मीणा, जोधपुर के सुनील, बीकानेर के राजेन्द्र, उदयपुर के हीरालाल, नागौर के प्रकाश, बांसवाड़ा के पवन तथा कोटा के उमेश सोनी सहित अन्य परिवादियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं और समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

# साधु-संतों के आशीर्वाद से सनातन संस्कृति का हो रहा पुनर्जागरण : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बालोतरा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजनीति हो या अन्य कार्य, धर्म आवश्यक है, धर्म के अभाव में कोई भी कार्य ठीक से नहीं हो सकता। धर्म परायण होने पर ही सिद्धियां प्राप्त होती हैं और उसी से ही उत्कृष्ट समाज एवं राष्ट्र की स्थापना हो सकती है। सनातन परम्परा हमें धर्म पर चलते हुए सामाजिक एकता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरा शौर्य, आस्था और भक्ति की त्रिवेणी है, जहां साधु-संतों के आशीर्वाद से सनातन संस्कृति का पुनर्जागरण हो रहा है।

शर्मा मंगलवार को बालोतरा के कनाना श्रीमठ में आयोजित ललिता महायज्ञ की पूर्णाहुति एवं मां सरस्वती मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाजिक एकता को सुदृढ़ करने के साथ ही आने वाली पीढ़ी को विरासत से जोड़ते हैं। मुख्यमंत्री ने बालोतरा के धार्मिक महत्व को बताते हुए कहा कि यहां के तीर्थ स्थल हमारी गौरवशाली संस्कृति के सजग प्रहरी हैं। वहीं, कनाना मठ की पवित्र भूमि अलौकिक ऊर्जा का संचार करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश के धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य में ऐतिहासिक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्रभु रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और उज्जैन में महाकाल महालोक के अलौकिक निर्माण सहित प्रसाद योजना के माध्यम से देशभर के प्रमुख तीर्थस्थलों के आधारभूत ढांचे और सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आस्था की सेवा सबसे बड़ी जनसेवा है, इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में भी हमारी सरकार तीर्थ स्थलों के विकास कार्यों पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत बुजुर्गों को निःशुल्क तीर्थ दर्शन करवाए जा रहे हैं। साथ ही, मुख्यमंत्री विकसित ग्राम एवं वार्ड योजना के तहत धार्मिक स्थलों का सुनियोजित विकास किया जा रहा है।

देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सनातन के लिए विशेष कार्य किए जा रहे हैं। इसी के तहत राजस्थान दिवस को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन मनाने की परंपरा शुरू की गई है। वहीं, मंदिरों के विकास और संस्कृति को संरक्षित करने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान कनाना मठ के महंत परशुराम गिरी महाराज ने मुख्यमंत्री का अभिवादन करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में जनकल्याण के सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन अखण्ड भारत और सनातन संस्कृति की पहचान है। जहां कई देश युद्ध की ओर अग्रसर हैं, वहीं हम भारतीय समस्त विश्व की शांति के लिए कार्य कर रहे हैं।

इससे पहले शर्मा ने पिछले एक वर्ष से चल रहे ललिता महायज्ञ में पूर्णाहुति दी। साथ ही, कार्यक्रम में देशभर से आए प्रमुख संत-महंतों का दुपट्टा ओढ़ाकर एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। वहीं, महंत परशुराम गिरी महाराज ने मुख्यमंत्री को यंत्र भेंट कर अभिनंदन किया।

इस दौरान उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के.के. विश्नोई, विधायक हमीर सिंह भायल, महंत प्रतापपुरी, आदूराम मेघवाल, अरुण चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रमुख महंत, साधु-संत और आमजन मौजूद रहे।

## राजस्थान सरकार की नई सेमीकंडक्टर नीति में कौशल विकास और तकनीकी नवाचार पर जोर

जयपुर। राजस्थान सरकार ने राजस्थान सेमीकंडक्टर नीति-2026 पेश की है जिसका उद्देश्य राज्य में निवेश बढ़ाना तथा रोजगार, कौशल विकास और तकनीकी नवाचार को नई दिशा देना है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार, वैश्विक अर्थव्यवस्था में आधुनिक तकनीक की रीढ़ बन चुके सेमीकंडक्टर उद्योग की महत्ता को समझते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सेमीकंडक्टर नीति-2026 जारी कर ऐतिहासिक पहल की गई है। इस नीति के जरिये न केवल प्रदेश में निवेश बढ़ेगा, बल्कि रोजगार, कौशल विकास और तकनीकी नवाचार को भी नई दिशा मिलेगी। आधिकारिक बयान के अनुसार, यह नीति राजस्थान को देश में वैश्विक सेमीकंडक्टर निर्माण का प्रमुख केंद्र बनाने तथा 'आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेम्बली एंड टेस्ट' (ओएसएटी) के साथ असेम्बली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) तथा सेंसर के क्षेत्रों में निवेशकों को आकर्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

यह नीति सेमीकंडक्टर के स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ ही उच्च तकनीक पर आधारित रोजगार के नए अवसर सृजित भी करेगी। नीति के तहत सेमीकंडक्टर अनुसंधान, डिजाइन, उत्पादन, परीक्षण एवं पैकेजिंग जैसे सभी चरण शामिल किए गए हैं, जिससे राजस्थान में मजबूत सेमीकंडक्टर परिवेश विकसित होगा। सेमीकंडक्टर विनिर्माण पैकेज के तहत निवेश को आकर्षित करने के लिए नीति में विशेष प्रावधान किए गए हैं।

## बांसवाड़ा में माही के टापुओं को संवारने की दिशा में सरकार का बड़ा कदम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com.

जयपुर। वागड़ अंचल में सिंचाई के लिए जल उपलब्ध कराने और बिजली उत्पादन में अहम योगदान निभाने वाला माही बांध अब पर्यटन के नए आयाम भी स्थापित करेगा। बांध भराव क्षेत्र में स्थित अनुपम प्राकृतिक धरोहर 'हण्ड्रेड आइलेंड्स' और आसपास की भूमि पर सुनियोजित पर्यटन विकास हो सकेगा। इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने क्षेत्र को पर्यटन पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। राज्य सरकार के प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। यह समिति बांध क्षेत्र में पर्यटन विकास के लिए विस्तृत मास्टर प्लान तैयार करेगी। इसके जरिए नियंत्रित और पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन गतिविधियां विकसित की जा सकेंगी। इससे जल संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

राज्य सरकार की गठित समिति में उदयपुर संभागीय आयुक्त को अध्यक्ष बनाया गया है। इनके साथ बांसवाड़ा जिला कलेक्टर, जल संसाधन बांसवाड़ा मुख्य अभियंता, उपवन संरक्षक बांसवाड़ा, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी वृत्त बांसवाड़ा के अधीक्षण अभियंता, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड बांसवाड़ा के क्षेत्रीय अधिकारी, सहायक नगर नियोजक बांसवाड़ा, पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक को सदस्य बनाया गया है। समिति में निर्माण वृत्त माही परियोजना के अधीक्षण अभियंता को सदस्य सचिव बनाया गया है। जल संसाधन विभाग को समिति का प्रशासनिक विभाग बनाया गया है।

समिति माही बांध के जल भराव क्षेत्र, आइलैंड्स एवं आसपास की राजकीय और निजी भूमि के भूमि-उपयोग निर्धारण, डिमार्केशन, लीज/आवंटन, वाटर स्पोर्ट्स एवं पर्यटन गतिविधियों के संचालन के लिए नियम, दिशा निर्देश तैयार करेगी। साथ ही, जल के सदुपयोग को ध्यान में रखते हुए किसी भी प्रकार के प्रदूषण नहीं होने और पर्यावरणीय मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करेगी।

# एआई के उपयोग से सुशासन को मिल रही नई दिशा : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से प्रदेश में सुशासन का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। राजकाज में बढ़ रहे एआई टूल्स के उपयोग से राज्य सरकार की आमजन के प्रति पारदर्शिता एवं जवाबदेही और अधिक सुदृढ़ हो रही है। उन्होंने कहा कि -ख तकनीक के माध्यम से राज्य सरकार सेवाओं को तेज, सटीक और नागरिक-केंद्रित बना रही हैं। मुख्य सचिव मंगलवार को शासन सचिवालय में 'रोल ऑफ़ आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (-ख) इन डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ़ गवर्नेंस' विषय पर आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हाल ही में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट ने देश में एआई के प्रभावी उपयोग को नई दिशा प्रदान की है। उन्होंने बताया कि सीपीग्राम्स (उझत्रछ-चड) एवं संपर्क पोर्टल के माध्यम से आमजन की शिकायतों के त्वरित निस्तारण में एआई तकनीक का उल्लेखनीय योगदान रहा है। एआई के उपयोग से इन प्लेटफॉर्म्स की पहुंच बढ़ी है तथा शिकायतों के डेटा का विश्लेषण अधिक सरल एवं सटीक हुआ है। इसके माध्यम से स्पैम एवं बार-बार अनावश्यक शिकायत करने वालों की पहचान संभव हो रही है, जिससे वास्तविक शिकायतों के समयबद्ध समाधान में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि एआई के जरिए डेटा का सूक्ष्म (सीरपीश्ररी) विश्लेषण संभव हुआ है, जिससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनी है।

उन्होंने प्रदेश के टोंक जिले में संचालित पढ़ाई विद एआई पहल की सराहना करते हुए कहा कि एआई के सही उपयोग से शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन संभव हैं। इस प्रकार के नवाचारों से शिक्षा को तकनीक के साथ जोड़कर गुणवत्ता में सुधार होगा तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस एआई आधारित व्यक्तिगत शिक्षण प्लेटफॉर्म के माध्यम से राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के कक्षा 10 के गणित विषय के विद्यार्थियों को उनकी क्षमता के अनुरूप प्रश्न अभ्यास, त्वरित समाधान एवं विस्तृत व्याख्या उपलब्ध कराई जा रही है। वर्तमान में 12 हजार से अधिक विद्यार्थी इससे लाभान्वित हो रहे हैं।

कार्यशाला में हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान के महानिदेशक राजेश यादव ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि मुख्य सचिव के निर्देशानुसार अधिकारियों को समय-समय पर इस प्रकार का तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिससे राजकीय कार्यों में एआई टूल्स के उपयोग के माध्यम से कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए वाधवानी सेंटर फॉर गवर्नमेंट डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के डीन कमल दास ने -ख कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम एवं डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन इन राजस्थान के उद्देश्यों और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने डिजिटाइजेशन, डिजिटलाइजेशन एवं डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के विभिन्न आयामों की जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार डेटा के प्रभावी उपयोग से सरकारी कार्यप्रणाली में दक्षता एवं सुगमता लाई जा सकती है। इस अवसर पर फैकल्टी सदस्य अभय अग्रवाल ने एआई, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग एवं जनरेटिव एआई की मूलभूत अवधारणाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग ट्रैफिक मैनेजमेंट, नगरीय विकास एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है।

# सहकारी समितियों में नये लोगों को भी मिले कार्य करने का समुचित अवसर : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com.

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने की संकल्पना को साकार करने में सहकारी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सहकारी क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए अधिक से अधिक लोगों को इसके माध्यम से लाभान्वित करने के प्रयास कर रही है। दक मंगलवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम में विभिन्न श्रेणियों में अच्छा प्रदर्शन करने वाली सहकारी समितियों को एनसीडीसी के 'क्षेत्रीय उत्कृष्टता एवं श्रेष्ठता पुरस्कार-2025' प्रदान किए। दक ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारिता के महत्व को पहचाकर वर्ष 2021 में अलग से सहकारिता मंत्रालय का गठन कर अमित शाह को इसकी जिम्मेदारी सौंपी। सहकारिता मंत्रालय बनने के बाद विगत चार वर्षों में देश में सहकारी क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि सहकारी आन्दोलन आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी अपनाने के संकल्प की ओर देश को ले जाने में भी प्रमुख भूमिका निभा रहा है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि पुरस्कृत होने वाली समितियों से अन्य समितियां भी प्रेरणा लेकर उत्कृष्टता की ओर आगे बढ़ें।

सरकार का ध्येय है कि सहकारिता का मूल भाव आमजन तक पहुंचे और सहकारी आन्दोलन से उनके जीवन में परिवर्तन आए। वर्तमान में सहकारिता का लाभ नीचे तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों में कार्य करने का नये लोगों को भी समुचित अवसर मिलना चाहिए, जिससे उनकी ऊर्जा और प्रतिभा का पूरा लाभ सहकारी क्षेत्र को मिल सके।

दक ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहकारी क्षेत्र को प्राथमिकता में रखकर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री की मंशा पर विगत अक्टूबर माह में सहकार सदस्यता अभियान आयोजित किया गया, जिसमें सहकारी समितियों के लगभग 9 लाख नये सदस्य बनाये गए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सहकारी क्षेत्र में 120 से अधिक पहलें क्रियान्वित की जा रही हैं। इन पहलों को अपनाकर सहकारी समितियां सशक्त बन रही हैं।

## अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति तक पहुंचे सामाजिक योजनाओं का लाभ : दिनेश कुमार

जयपुर। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दिनेश कुमार ने विभागीय अधिकारियों की बैठक लेते हुए कहा कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक तय समयावधि में पहुंचाना ही विभाग की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। कुमार ने पदभार संभालने के बाद पहली बार मंगलवार को सचिवालय स्थित अपने कक्ष में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों की बैठक ली।

निदेशक आशीष मोदी ने बैठक में स्कैमेटिक बजट, बजट घोषणा वर्ष 2024-25 से 2026-27 एवं मुख्यमंत्री निर्देशों की समीक्षा, भारत सरकार से बजट आवंटन एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र की समीक्षा सहित विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

## सैनिक वर्दी से नहीं बल्कि अपने हौसले और संकल्प से पहचाना जाता है: राज्यवर्धन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डीडवाना। राजस्थान के सैनिक कल्याण विभाग की ओर से पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों के हित में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मंगलवार को डीडवाना में एकीकृत सैनिक कल्याण परिसर का लोकार्पण किया गया। उद्योग एवं सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नवनिर्मित भवन को पूर्व सैनिकों को समर्पित किया। इस अवसर पर तिरंगा यात्रा निकाली गई तथा हेल्थ कैंप का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों व उनके परिजनों की भागीदारी रही। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि देश की रक्षा में पूर्व सैनिकों का योगदान अमूल्य है। उन्होंने पूर्व सैनिकों का आह्वान किया कि वे अपने अनुभव और अनुशासन से युवाओं को प्रेरित करें और समाज में सक्रिय भूमिका निभाते रहें।

डीडवाना की वीर धरा पर आज एकीकृत सैनिक कल्याण परिसर के उद्घाटन समारोह में कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने भारत के योद्धाओं से संवाद किया और वीरांगनाओं से भी आत्मीय बातचीत की। जहां भी आप रहते हैं, वहां अपनी उपस्थिति बनाएं रखें। उन्होंने सैनिकों की पत्नियों से आह्वान किया कि ऐसे में आपका

फ्रंटरोल जारी रहे। हमारे इन योद्धाओं ने सीमा पर गोलियों का सामना किया है, दुश्मनों का सामना किया है। राष्ट्र को सर्वोपरी रखने का जज्बा हमारे इन गौरवान्वित सेनानियों में आज भी है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि यह परिसर हमारी वीरंगनाओं और पूर्व सैनिकों के लिए समर्पित है, जहां अस्पताल, कैंटीन और विश्राम गृह जैसी सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान की भाजपा सरकार गौरव सेनानियों के सम्मान और सेवा में कोई कमी नहीं आने देगी। यही हमारा संकल्प है। उन्होंने आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज युद्ध केवल सीमा पर नहीं, बल्कि तकनीक, साइबर अटैक और सूचना के माध्यम से भी लड़े जा रहे हैं।

## हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म छोड़कर कोई दूसरा धर्म अपनाने पर एससी का दर्जा खत्म हो जाता है : न्यायालय

**नई दिल्ली/भाषा।** उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म का पालन करने वाले व्यक्ति को अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय से संबंधित व्यक्ति, किसी अन्य धर्म को अपनाकर एससी का दर्जा तुरंत और पूरी तरह खो देता है। पीठ ने कहा, ऐसे किसी भी व्यक्ति को धारा तीन के अनुसार अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जाता। उसे संविधान या संसद या राज्य विधानमंडल के किसी कानून के तहत कोई भी वैधानिक लाभ, संरक्षण या आरक्षण नहीं दिया जा सकता। यह पूरी तरह प्रतिबंधित है और इसमें कोई अपवाद नहीं है। कोई व्यक्ति धारा तीन में उल्लेखित धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म का पालन करते हुए अनुसूचित जाति की सदस्यता का दावा नहीं कर सकता। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने 30 अप्रैल 2025 को कहा था कि यदि कोई व्यक्ति ईसाई धर्म अपना लेता है और उसे सक्रिय रूप से मानता व पालन करता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता।

## आदिवासी क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया के लिए 6.97 करोड़ से अधिक जांच : अनुप्रिया पटेल

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि देशभर के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में सिकल सेल रोग (एससीडी) का पता लगाने के लिए 6.97 करोड़ से अधिक जांच की जा चुकी हैं और 3.93 करोड़ 'जेनेटिक स्टेटस कार्ड' वितरित किए गए हैं। उच्च सदन को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत शून्य से 40 वर्ष के आयु वर्ग के लक्षित समूह की जांच 17 आदिवासी बहुल राज्यों में जिला अस्पतालों से लेकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्तर तक सभी स्वास्थ्य सुविधाओं में की जा रही है। राज्यों द्वारा सिकल सेल रोग पोर्टल पर दी गई जानकारी के अनुसार अब तक 6.97 करोड़ से अधिक जांच की जा चुकी हैं। सिकल सेल रोग रक्त संबंधी एक समस्या है जिसमें व्यक्ति के अंदर रक्ताल्पता भी होने लगती है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने विभिन्न राज्यों में सिकल सेल रोग के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) स्थापित करने हेतु लागत मानदंड तय किए हैं, जिन्हें जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है। अब तक 15 राज्यों में 17 उत्कृष्टता केंद्रों को मंजूरी दी गई है।

## 500 रुपए उधार न चुकाने पर विवाह समारोह में नाबालिग की हत्या

**कानपुर/भाषा।** उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात जिले में एक शादी समारोह के दौरान 500 रुपए के विवाद को लेकर 16 साल के एक लड़के ने कथित तौर पर चाकू से हमला कर 15 वर्षीय अपने सहपाठी की हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान सत्यम निषाद (15) के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, दोनों लड़के एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे, जहां आरोपी ने सत्यम को रोका और उससे कुछ महीने पहले लिए गए 500 रुपए के उधार के बारे में पूछा। पुलिस ने बताया कि जब सत्यम ने उधार की रकम लौटाने के लिए दो अप्रैल तक का समय मांगा तो दोनों के बीच बहस बढ़ गई। कानपुर देहात की पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने बताया, अचानक गुस्से में आकर आरोपी ने सब्जी काटने वाला चाकू निकाला और सत्यम के पेट में कथित तौर पर कई बार वार किए, जिससे वह गिर पड़ा। उन्होंने बताया कि इससे वहां अफरा-तफरी मच गई और कुछ लोग सत्यम को तुरंत पास के एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

## ओडिशा: कंधमाल में 55 लाख रुपए के इनामी माओवादी सुक्रू ने आत्मसमर्पण किया

**भुवनेश्वर/भाषा।** ओडिशा के सर्वाधिक वांछित और 55 लाख रुपए के इनामी माओवादी सुक्रू ने मंगलवार को कंधमाल जिले में चार अन्य साथियों के साथ पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाईबी खुरानिया ने दी।

उन्होंने बताया कि प्रदेश समिति के सदस्य सुक्रू ने एके-47 राइफल के साथ आत्मसमर्पण किया। उन्होंने बताया कि मलकानगिरी जिले के मूल निवासी सुक्रू को राज्य में सक्रिय बचे अंतिम माओवादी नेताओं में से एक माना जाता था। यह आत्मसमर्पण ऐसे समय में हुआ जब केंद्र सरकार द्वारा वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने की 31 मार्च की समय सीमा नजदीक आ रही है। अधिकारियों ने बताया कि विशेष अभियान समूह (एसओजी), सीआरपीएफ, जिला स्वयंसेवी बल और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के संयुक्त सुरक्षा बलों ने कंधमाल, रायगड़ा और कालाहांडी जिलों की साझा सीमा पर नक्सल-रोधी अभियान तेज कर दिया था, जहां सुक्रू और उसके साथी छिपे हुए थे।

# पूर्ववर्ती सरकारों ने न सिर्फ उप्र का विश्वास तोड़ा, नौजवानों के सपने भी तोड़े : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष की पूर्ववर्ती सरकारों को विकास विरोधी करार देते हुए मंगलवार को कहा कि उन्होंने न केवल प्रदेश का विश्वास तोड़ा, बल्कि यहां के युवाओं के ''सपनों को भी चकनाचूर'' किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां उन्नत सिंगल विंडो पोर्टल 'निवेश मित्र 3.0' की शुरुआत करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''यह विश्वास, जिसे राजनीतिक कारणों से पिछली सरकारों ने तोड़ा था, केवल विश्वास नहीं था, बल्कि उत्तर प्रदेश के नौजवानों के सपनों को भी चकनाचूर किया गया था।'' योगी ने समारोह में उपस्थित निवेशकों से मुखातिब होते हुए कहा, ''उत्तर प्रदेश देश के भीतर निवेश के एक विशेष गंतव्य के रूप में स्थापित हो-यह सपना नौ वर्ष पहले देखा गया था। आप सभी की उपस्थिति उस सपने को जमीन पर उतारने का कार्य कर रही है।'' उन्होंने कहा, ''आपने प्रदेश में 'डबल इंजन' सरकार पर विश्वास किया है। आपके इस विश्वास पर खरा उतरने और आपको अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए इस सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं।'' मुख्यमंत्री ने भाजपा नीत सरकार के नौ वर्षों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके कारण उत्तर प्रदेश पूरे देश में निवेश के प्रमुख स्थल के रूप में उभरा है। योगी ने कहा, ''इस विश्वास को देखकर लगता है कि वास्तव में यही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।'' उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा, ''उत्तर प्रदेशवासियों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया गया था। देश की सबसे अधिक आबादी वाले राज्य के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लगाए गए थे।'' योगी ने कहा, ''मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में डबल इंजन की उत्तर प्रदेश सरकार पर आपने जो विश्वास नौ वर्षों से लगातार व्यक्त किया है, उस पर खरा उतरने के लिए हमारी टीम ने निरंतर परिश्रम किया है और उसके परिणाम हर स्तर पर दिखाई दे रहे हैं।''

## भाजपा की मुहर से साबित हो गया कि आयोग को कौन चला रहा है : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोलकाता/भाषा।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग के पत्र पर कथित तौर पर भाजपा की मुहर लगी होने के बाद यह बात संदेह से परे साबित हो गई है कि कौन सी पार्टी पर्दे के पीछे से आयोग को चला रही है। निर्वाचन आयोग के मार्च 2019 के एक पत्र पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई की मुहर लगी पाई जाने के बाद सोमवार को राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया।

बनर्जी ने चुनाव प्रचार अभियान शुरू करने के लिए उत्तरी बंगाल के बागडोगरा रवाना होने से पहले कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, ''निर्वाचन आयोग की अधिसूचना पर भाजपा की मुहर लगी होने से यह स्पष्ट हो गया है कि पर्दे के पीछे से आयोग को कौन चला रहा है। पोल खुल चुकी है।'' उन्होंने अपने दावों को सही साबित करने के लिए इस विवाद पर एक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर दिखाई।

मुख्यमंत्री ने आयोग का जिक्र किए बिना कहा, ''पर्दे के पीछे से अपने खेल खेलने की कोई जरूरत नहीं है। खुलकर सामने आएं और हमसे आमने-सामने मुकाबला करें।'' बनर्जी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा नंदीग्राम के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) का तबादला भवानीपुर में करने के कदम से राजनीतिक साजिश की बू आ रही है। उन्होंने परोक्ष रूप से दावा किया कि बीडीओ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी हैं।

भवानीपुर सीट पर बनर्जी और अधिकारी का मुकाबला होगा।

बनर्जी ने कहा, ''सोमवार को निर्वाचन आयोग ने राज्य के 73 निर्वाचन अधिकारियों का तबादला कर दिया। इससे पहले, उन्होंने बंगाल के लगभग 70 शीर्ष आईएएस और आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया, जिनमें मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक और कोलकाता के मुख्य सचिव शामिल थे। अब हमें पता चल गया है कि इसके पीछे किस पार्टी की भूमिका है।'' तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बनर्जी ने इसे एक गलती बताने के निर्वाचन आयोग के बयान को खारिज करते हुए कहा, ''यह कोई लिपिकीय गलती नहीं है। यह जानबूझकर राजनीतिक इरादे से किया गया था।'' उन्होंने दावा किया कि यह पत्र केवल केरल के लिए नहीं था, बल्कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को संबोधित था।

# नीतीश कुमार निर्विरोध जद(यू) के अध्यक्ष चुने गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुन लिए गए, क्योंकि पार्टी के शीर्ष पद के लिए किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया।

नीतीश दिसंबर 2023 में लोकसभा चुनाव से पहले ललन सिंह के जद(यू) अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद से ही पार्टी के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। नीतीश (75) हाल ही में हुए चुनावों में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं निर्वाचन अधिकारी अनिल प्रसाद हेगड़े ने नीतीश कुमार के जद(यू) अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की और पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में जद(यू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को उनके चुनाव का प्रमाण पत्र सौंपा।

इस अवसर पर पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। हेगड़े ने यहां नीतीश कुमार के निर्विरोध जद(यू) अध्यक्ष पद के लिए चुने जाने की घोषणा की और पार्टी नेताओं को प्रमाण पत्र सौंप दिया। उन्होंने कहा, ''चूंकि किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया है, इसलिए मैं नीतीश कुमार को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित करता हूं।''

हालांकि, नीतीश कुमार जद(यू) अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा के समय वहां मौजूद नहीं थे। उनकी गैर-मौजूदगी के बारे में पूछे जाने पर, झा ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री समृद्धि यात्रा में भाग ले रहे हैं।

## सरकार को ट्रांसजेंडर समुदाय से संबंधित विधेयक हड़बड़ी में लाने की क्या जरूरत थी : विपक्षी सांसद

**नई दिल्ली/भाषा।** सरकार पर ट्रांसजेंडर समुदाय से संबंधित एक विधेयक हड़बड़ी में संसद में लाने का आरोप लगाते हुए विपक्ष के कुछ सांसदों ने मंगलवार को सवाल किया कि जब दुनिया में युद्ध की स्थिति है और अंतरराष्ट्रीय हालात के प्रभावों पर चर्चा होनी चाहिए, ऐसे में इस संशोधन विधेयक को लाने की ऐसी क्या तत्काल आवश्यकता है।

लोकसभा में ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा में भाग लेते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने इसका विरोध करते हुए कहा कि जब दुनिया में युद्ध के हालात हों और विषम परिस्थिति हों तो सदन में इस मुद्दे पर चर्चा के बजाय इस विधेयक पर चर्चा की क्या जल्दबाजी थी। उन्होंने विधेयक को वापस लेने और संसद की किसी समिति को अध्ययन के लिए भेजने की मांग करते हुए, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) की सदस्य डॉ बी शबरी के भाषण का उल्लेख किया और दावा किया कि जन्म के समय ट्रांसजेंडर होने की लैंगिक पहचान को कोई भी शत-प्रतिशत प्रमाणित नहीं कर सकता।

इससे पहले, तेदेपा सांसद शबरी ने विधेयक का समर्थन करते हुए कहा था कि जब बच्चे का जन्म होता है तो डॉक्टर लिंग की पहचान करते हैं और जन्म प्रमाणपत्र में भी इसका उल्लेख होता है। उन्होंने कहा कि ट्रांसजेंडर समुदाय के मामले में मेडिकल प्रक्रिया से पहचान में क्या आपत्ति होनी चाहिए।

## ट्रांसजेंडर विधेयक संवैधानिक अधिकारों पर हमला, इसका विरोध करेंगे: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलार को कहा कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों से संबंधित विधेयक ट्रांसजेंडर लोगों के संवैधानिक अधिकारों एवं पहचान पर सीधा हमला है, जिसका कांग्रेस पुरजोर विरोध करेगी। ट्रांसजेंडर समुदायों के कुछ लोगों ने मंगलवार को राहुल गांधी से मुलाकात की और अपनी चिंता से उन्हें अवगत कराया।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भाजपा सरकार का ट्रांसजेंडर व्यक्ति संशोधन विधेयक ट्रांसजेंडर लोगों के संवैधानिक अधिकारों और पहचान पर एक खुला हमला है।'' उन्होंने दावा किया कि यह प्रतिगामी विधेयक उच्चतम न्यायालय के फैसले का उल्लंघन करते हुए, ट्रांसजेंडर लोगों की खुद को पहचानने की क्षमता छीनता है, पूरे भारत में समुदायों की विविध सांस्कृतिक पहचान को मिटाता है, ट्रांसजेंडर लोगों को मेडिकल बोर्ड द्वारा अमानवीय परीक्षाओं से गुजरने के लिए मजबूर करता है, सुरक्षा उपायों के बिना आपराधिक दंड और निगरानी का प्रावधान करता है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने इस समुदाय से परामर्श नहीं किया और एक विधेयक लाया गया जो उनकी रक्षा करने के बजाय उन्हें 'कलंकित' करता है। राहुल गांधी ने कहा, ''संविधान प्रत्येक भारतीय के जीवन, स्वतंत्रता, पहचान और सम्मान के अधिकार की रक्षा करता है। यह भाजपा सरकार हमारे संविधान का उल्लंघन कर रही है और अपने संकीर्ण विचारों के चलते ट्रांसजेंडर समुदायों को सम्मान देने के भारत के समृद्ध इतिहास को नष्ट कर रही है।''

# प्रधानमंत्री का वक्तव्य भ्रम पैदा करने की कवायद थी : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट पर राज्यसभा में जो वक्तव्य दिया, वो भ्रम पैदा करने की कवायद थी और उससे जवाब मिलने के बजाय नए सवाल खड़े हो गए। राज्यसभा में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में छिड़े वर्तमान संघर्ष के कारण उत्पन्न स्थिति से निबटने के लिए अधिकार संपन्न सात नए समूहों का गठन किया गया है, जो एलपीजी, आवश्यक सेवाओं एवं वस्तुओं की आपूर्ति एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अन्य विषयों का नियमित आकलन कर सुझाव देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और इसके कारण भारत के सामने आई चुनौतियों पर राज्यसभा में वक्तव्य देते हुए कहा कि तीन सप्ताह से अधिक समय हो चुका है तथा इस युद्ध ने विश्व में गंभीर ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''राज्यसभा में प्रधानमंत्री मोदी का 20 मिनट का बयान, ज्यादा से ज्यादा भ्रम पैदा करने की एक कवायद थी।'' उन्होंने कहा, ''हम तीन मूलभूत प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर चाहते हैं। सबसे पहले, अपने असंगत और अस्थिर कूटनीतिक रुख के माध्यम से प्रधानमंत्री ने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के संतुलन को बदल दिया है। प्रधानमंत्री इस स्पष्ट बदलाव के बारे में संसद और राष्ट्र को विश्वास में लेने में क्यों विफल रहे, और भारत की रणनीतिक स्वायत्तता बहाल करने के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए हैं?'' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लगभग 37-40 भारतीय ध्वज वाले जहाज, जिनमें लगभग 1,100 नाविक हैं, होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे हुए हैं, जिनका माल लगभग 10,000 करोड़ रुपए है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री द्वारा व्यक्तिगत रूप से दो बार ईरानी राष्ट्रपति से बात करने और विदेश मंत्री द्वारा अपने ईरानी समकक्ष के साथ कई बार बातचीत करने के बावजूद, भारत अपने स्वयं के जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने में विफल क्यों रहा है? चीन, रूस, जापान जैसे देशों के साथ-साथ अन्य ''मित्र देशों'' को सुरक्षित पारगमन की अनुमति क्यों दी जा रही है, जबकि भारतीय जहाज फंसे हुए हैं?''

खरगे के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले देश की कच्चे तेल एवं गैस की मांग को 27 देशों से आयात करके पूरा किया जाता था, वहीं आज भारत 41 देशों से ऊर्जा आयात करता है। उन्होंने सवाल किया, ''यदि हां, तो कौन से देश वर्तमान में भारत को एलएनजी, एलपीजी और कच्चे तेल की आपूर्ति कर रहे हैं और कितनी मात्रा में? देश भर में नागरिकों को अभी भी कमी, लंबी कतारों, कालाबाजारी और अधिक कीमतों का सामना क्यों करना पड़ रहा है?''कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने अब स्थिति की तुलना कोविड'' से की है। राष्ट्र महामारी के दौरान की दुखद पीड़ा को नहीं भूल सकता, जब 40 लाख से अधिक लोगों की जान चली गई और अनगिनत नागरिकों को ऑक्सीजन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष करना पड़ा।''खरगे ने सवाल किया, ''क्या प्रधानमंत्री अब यह सुझाव दे रहे हैं कि 140 करोड़ भारतीय नागरिकों को एक बार फिर अपनी सुरक्षा स्वयं करनी होगी, क्योंकि देश बढ़ते ऊर्जा संकट के साथ-साथ भोजन, उर्वरक, एमएसएमई और मुद्रास्फीति के दबाव का सामना कर रहा है?'' उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी का बयान बहुत देर से आया है और जवाब देने से ज्यादा सवाल खड़े करता है।

## प्रधानमंत्री का भाषण आत्म-मुग्धता और पाखंड से भरा था : कांग्रेस

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में पश्चिम एशिया संकट को लेकर जो वक्तव्य दिया वो आत्म मुग्धता और पाखंड से भरा था।

राज्यसभा में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में छिड़े वर्तमान संघर्ष के कारण उत्पन्न स्थिति से निबटने के लिए अधिकार संपन्न सात नए समूहों का गठन किया गया है जो एलपीजी, आवश्यक सेवाओं एवं वस्तुओं की आपूर्ति एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अन्य विषयों का नियमित आकलन कर सुझाव देंगे।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री ने आज दोपहर राज्यसभा में पश्चिम एशिया पर करीब 20 मिनट तक बात की। कल लोकसभा में उनके बयान की तरह, राज्यसभा में उनके बयान पढ़ने के बाद विपक्ष को कोई स्पष्टीकरण मांगने की अनुमति नहीं दी गई।'' उन्होंने आरोप लगाया कि जैसा कि अपेक्षित था, यह आत्म-प्रशंसा से भरा एक भाषण था।

## देश में सिर्फ 'सिलेंडर संकट' नहीं, 'सरेंडर संकट' भी है : दीपेंद्र हुड्डा

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने मंगलवार को सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में सिर्फ 'सिलेंडर संकट' नहीं, बल्कि 'सरेंडर संकट' भी हैं जहां भारत के फैसले अमेरिका कर रहा है। उन्होंने लोकसभा में वित्त विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए यह आरोप भी लगाया कि सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण देश को नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

दीपेंद्र हुड्डा ने कहा, ''ईरानी मुद्रा रियाल, लेबानानी पाउंड और भारतीय रुपए में सबसे तेज गिरावट आई है। ईरान और लेबनान पर बम गिर रहे हैं। वित्त मंत्री बताएं कि भारत पर कौन सा बम गिर रहा है।'' हुड्डा ने कहा कि आज प्रति लीटर पेट्रोल पर 23 रुपए और प्रति लीटर डीजल पर 21 रुपए उत्पाद शुल्क वसूला जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक प्रतिशत नागरिकों के हाथ में 40 प्रतिशत संपत्ति है, जबकि 50 प्रतिशत लोगों के पास सिर्फ तीन प्रतिशत संपत्ति है।

# हम सफलता का अहंकार नहीं पाल रहे हैं, बल्कि विनम्रता से शुरुआत करेंगे : क्रिकेट निदेशक मो बोबाट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु/भाषा।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के क्रिकेट निदेशक मो बोबाट ने मंगलवार को खिलाड़ियों से अपील की कि वे बीते सत्र में मिली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की पहली ट्रॉफी के बाद अहंकार से बचें और नए सत्र में विनम्रता बनाए रखें। आरसीबी ने 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स को हराकर अपना पहला खिताब जीता था।

बोबाट ने सत्र-पूर्व प्रेस वार्ता में कहा, यह एक नया अभियान है। पिछले साल हम 17 साल के बोझ के साथ नहीं थे, और इस साल हमें एक साल की सफलता के अहंकार के साथ भी नहीं चलना है। हमें विनम्रता के साथ शुरुआत करनी होगी। उन्होंने कहा, पहली ट्रॉफी जीतना अच्छा है क्योंकि इसका मतलब है कि हम भविष्य की ओर देख सकते हैं। अब हमें इस तरह के सवालों का जवाब ज्यादा नहीं देना पड़ेगा। उम्मीद है कि हम अपने सामने मौजूद चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। बोबाट ने आरसीबी के लंबे समय तक खिताब न जीत पाने को 'श्राप' के रूप में नहीं देखा। उन्होंने कहा कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खिलाड़ी बदलते रहते हैं, इसलिए हर कोई उस लंबे इंतजार के बोझ को समान रूप से महसूस नहीं करता। उन्होंने कहा, मैं इसे बदकिस्मती नहीं कहूंगा। फ्रेंचाइजी क्रिकेट बहुत ही अस्थिर होता है और खिलाड़ी आते-जाते रहते हैं। भले ही हमारे प्रशंसक और फ्रेंचाइजी 17 सालों से उस बहुप्रतीक्षित ट्रॉफी का इंतजार कर रहे हों, लेकिन इसमें शामिल सभी लोगों का नजरिया ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए, अगर मैं खुद को देखूं तो यह आरसीबी के साथ मेरा सिर्फ दूसरा सत्र था। मुझे इस बात का एहसास है कि हमने इतने सालों से ट्रॉफी नहीं जीती है, लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से उस बोझ को अपने ऊपर नहीं ले रहा था। इसलिए मुझमें नई ऊर्जा और उम्मीद है। यही बात टीम के अधिकांश खिलाड़ियों पर भी लागू होती है। उन्होंने हालांकि टीम के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली का उदाहरण देते हुए कहा कि 2008 से जुड़े होने के कारण उनके लिए यह जीत भावनात्मक थी। उन्होंने साथ ही एबी डिविलियर्स और क्रिस गेल जैसे खिलाड़ियों के योगदान को भी खास बताया। उन्होंने कहा, विराट एक अनोखा उदाहरण हैं। जाहिर है, उन्होंने पूरा सफर तय किया है और कई सालों के उतार-चढ़ाव देखे हैं। इसलिए, उनके लिए व्यक्तिगत रूप से उस (2025) फाइनल के अंत में भावनाओं का एक बेहद भावुक क्षण था।

बोबाट ने कहा, और यह देखना वाकई बहुत खूबसूरत था। यह बहुत अच्छा था कि हम एबी डिविलियर्स और क्रिस गेल जैसे खिलाड़ियों के साथ उस पल को साझा कर सके। ये फ्रेंचाइजी के लिए बड़े और प्रतिष्ठित खिलाड़ी रहे हैं। मैं हालांकि इतना कहना चाहूंगा कि हर किसी ने इसे उसी तरह अनुभव नहीं किया होगा।

## 'इंपैक्ट प्लेयर' नियम बना रहेगा : गांगुली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नोएडा/भाषा।** हरफनमौला खिलाड़ियों की नाराजगी के बावजूद भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने मंगलवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का विवादास्पद 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम आगे भी बना रहेगा। भारतीय टी20 उप-कप्तान और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल द्वारा इस नियम की आलोचना किए जाने के एक दिन बाद गांगुली ने कहा कि विभिन्न मतों के बावजूद इस नियम को हटाए जाने की संभावना बेहद कम है। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा, मुझे लगता है कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम रहेगा। जब मैं बीसीसीआई अध्यक्ष था, तब यह आ चुका था। यह यहीं रहेगा, किसी को पसंद आएगा, किसी को नहीं।

यह नियम टीमों को अपनी एकादश में से किसी भी खिलाड़ी को मैच के दौरान पांच में से किसी एक विकल्प से बदलने की अनुमति देता है। पूर्व कप्तान ने यह भी कहा कि लीग में कई युवा खिलाड़ी आकर्षण का केंद्र रहेंगे, जिनमें जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी शामिल हैं। नबी को दिल्ली कैपिटल्स ने 8.4 करोड़ रुपए में खरीदा है। गांगुली ने कहा, वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, यशस्वी जयसवाल, आयुष महात्रे और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी आईपीएल का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, मैं औकिब नबी को देखने के लिए उत्सुक हूं। वे सभी युवा है वाशिंगटन सुंदर युवा हैं, तिलक वर्मा युवा हैं। वे सभी अपने चरम पर हैं और यही आईपीएल की पहचान है।

गांगुली के मार्गदर्शन में प्रिटोरिया कैपिटल्स एसए20 लीग में उपविजेता रहा। उन्होंने कहा कि वह भविष्य में कोच की जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैं क्रिकेट से जुड़े रहना चाहता हूं तथा कोचिंग में मेरी रुचि है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने करियर में खिलाड़ी, कप्तान और प्रशासक हर भूमिका निभाई है। वह भविष्य में मिलने वाले हर अवसर को अपनाने के लिए तैयार हैं।

## सुविचार

**पुराने झगड़ों को पकड़कर बैठने से मन भारी रहता है। भूलना और आगे बढ़ना मानसिक शांति का एकमात्र मार्ग है।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# एकजुट होकर आगे बढ़ने का समय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण उपजे हालात के बारे में जो टिप्पणी की है, उससे देश में एकता का संदेश गया है। प्रधानमंत्री ने सत्य कहा कि 'हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं।' वास्तव में कोरोना काल में पैदा हुई चुनौती बहुत बड़ी थी। वह महामारी का दौर था। हमने उस पर जीत हासिल की थी। वर्तमान चुनौती उसकी तुलना में बहुत छोटी है। इसमें संक्रमित होकर मृत्यु होने का जोखिम तो नहीं है। भारत सरकार राहत पहुंचाने के लिए अपने स्तर पर कोशिश कर रही है। देशवासी भी संयम और अनुशासन का पालन करें। इस समय कुछ नेताओं और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसरों को अच्छा मौका मिल गया है। वे ईंधन की कमी का मुद्दा उठाकर केंद्र सरकार को घेर रहे हैं। एक इन्फ्लूएंसर जो खुद को गायिका भी बताती हैं, महंगी कार में घूमती हैं। उन्होंने खाली सिलेंडर के पास मिट्टी का चूल्हा बना लिया है। दरअसल वे यह दिखाना चाहती हैं कि सिलेंडर नहीं मिलने से बहुत मुश्किल हालात का सामना कर रही हैं। कुछ लोग सोशल मीडिया पर मिट्टी के चूल्हे की फोटो ऐसे पोस्ट कर रहे हैं, जैसे इस पर खाना बनाना कोई भयंकर सजा हो। यह मुश्किल समय है, जो हमेशा नहीं रहेगा। यह भी बीत जाएगा। यह एकजुट होकर आगे बढ़ने का समय है। नेतागण और इन्फ्लूएंसर जनता का मनोबल न तोड़ें। अभी सोशल मीडिया पर जैसी सामग्री पोस्ट की जा रही है, उससे लोगों में घबराहट फैल रही है। जिसे गैस सिलेंडर की तुरंत जरूरत नहीं है, वह भी कतार में लग रहा है। जिसकी गाड़ी में पर्याप्त तेल है, वह भी टैंक फुल करवाने की कोशिश कर रहा है। क्या हम मुश्किल समय का ऐसे मुकाबला करेंगे?

भारत अपनी ईंधन संबंधी जरूरतों के लिए विदेशों पर निर्भर है। वहां युद्ध छिड़ने पर पहले की तरह आपूर्ति नहीं हो सकती। हालांकि भारत सरकार ने बातचीत कर रास्ते खुलवाए हैं। अन्य देशों से संपर्क किया जा रहा है। ईंधन पहुंचने में समय लगता है। तब तक लोगों को धैर्य से काम लेना होगा। सरकार को चाहिए कि वह साइकिल के उपयोग को बढ़ावा दे। पूर्व में इस पर बातें तो खूब हुईं, लेकिन धरातल पर कोई खास असर दिखाई नहीं दिया। अगर हमारे देश में बेहतर साइकिलें बनाने के लिए शोध होता, बाजार में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त और आकर्षक डिजाइनों वाली साइकिलें उपलब्ध होतीं तो लोगों को बहुत मदद मिलती। उन्हें अपने दोपहिया वाहन लेकर पेट्रोल पंप पर लंबी कतारों में खड़ा नहीं होना पड़ता। जितना प्रचार तेल से चलने वाले वाहनों का किया गया, उतना साइकिल का नहीं किया गया। भारत में सड़कों की स्थिति में बहुत सुधार हुआ है। उन्हें साइकिलों के लिए सुरक्षित बनाने की जरूरत है। यह एक ऐसा साधन है, जिसकी रफ्तार कम है, लेकिन यह जीवन को रुकने नहीं देगी। युवाओं के बीच इसे लोकप्रिय बनाना चाहिए। यूरोप में कई सुंदर डिजाइनों वाली साइकिलें चलन में हैं। वहां जो लोग साइकिलों का उपयोग करते हैं, उन्हें पर्यावरण का हितैषी समझा जाता है। कुछ कंपनियां तो ऐसे कर्मचारियों को आर्थिक प्रोत्साहन देती हैं, जो साइकिल से दफ्तर आते हैं। वहां साइकिल चलाने को किसी व्यक्ति की कमजोर आर्थिक स्थिति से जोड़कर नहीं देखा जाता और न ही उसकी प्रतिष्ठा में कोई कमी आती है। क्या हम अपने देश में ऐसा नहीं कर सकते? एक अध्ययन के अनुसार, अगर भारत में युवा जनसंख्या पांच किमी तक यात्रा के लिए साइकिल का उपयोग करे तो हर साल लगभग 1.8 लाख करोड़ रुपए की बचत हो सकती है। इसमें ईंधन और वाहन के खर्चों की बचत शामिल है। स्वास्थ्य पर होने वाले खर्चों की काफी बचत हो सकती है। पर्यावरण प्रदूषण में कमी आएगी, सो अलग। बस, हमें सोच बदलने की ज़रूरत है।

## ट्वीटर टॉक

मोदी सरकार ने गत तीन वर्षों में राजस्थान में 1019 आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों को मंजूरी दी है, जबकि कुल 2019 केंद्रों के संचालन की स्वीकृति दी जा चुकी है। यह राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

**-मदन राठौड़**

बालोतरा में आयोजित ललिता महायज्ञ एवं माँ सरस्वती माता मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर प्रदेश की सतत उन्नति और प्रगति की कामना की। साथ ही, इस अवसर पर पूज्य साधु-संतों का सान्निध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

**-भजनलाल शर्मा**

कक्षा 10वीं में उत्तीर्ण हुए सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपकी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प ने आपको इस महत्वपूर्ण उपलब्धि तक पहुँचाया है। आपके उज्ज्वल भविष्य की नई दिशा निर्धारित करती है ।

**-दिया कुमारी**

## प्रेरक प्रसंग

# वाणी की मिठास

संत आत्मदेव के पांच शिष्य थे। एक दिन गुरु आत्मदेव ने शिष्यों से कहा, 'जो परीक्षा में पास होगा। मैं उसे अपना योग्य शिष्य बनाऊंगा।' पांचों शिष्यों ने कहा 'गुरुजी आप कभी भी हमारी परीक्षा ले सकते हैं। एक दिन संत आत्मदेव ने सभी को बुलाकर कहा- तुम्हारी परीक्षा का समय आ गया तुम लोगों को दो घंटे के अन्दर में प्रश्न का उत्तर देना होगा कहकर कहा, 'यह बताओ सबसे मीठा क्या है?' सभी शिष्य प्रसन्न हुए। किसी ने ईख, किसी ने शक्कर, किसी ने गुड़ आदि को मीठा बताया पर गुरु आत्मदेव इनके उत्तर से संतुष्ट न हुए। अंत में संत आत्मदेव बोले- यह सब पदार्थ तो केवल मुंह में मिठास घोलते हैं। इन सबसे बढ़कर 'वाणी की मिठास है'। इसी से आदमी पूजा जाता है।

## सामयिक

# असम में जेएमएम ने कांग्रेस के लिए बंद किए दरवाजे

**अशोक भाटिया**

**मोबाइल : 9221232130**

आखिरकार अंतिम समय में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने असम में 21 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। पार्टी ने कांग्रेस से गठबंधन की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। कांग्रेस झामुमो को 7 सीट से अधिक देने को तैयार नहीं हुई। कांग्रेस को पता है कि असम में झामुमो की कोई खास पकड़ नहीं है। इसलिए उसने 7 सीटों से अधिक देना उचित नहीं समझा। दोनों तरफ से बारगेनिंग हुई। लेकिन बात नहीं बनी। यह स्वाभाविक राजनीतिक स्थिति है कि जिस राज्य में जिस पार्टी का दबदबा रहता है वह अपने हिसाब से गठबंधन करती है और सहयोगी दलों को सीट देती है। असम विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के निर्णय पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा है कि इस निर्णय से राज्य में आदिवासी मतों का बिखराव होगा। झामुमो ने सोमवार को 126 सदस्यों वाली असम विधानसभा के लिए 21 उम्मीदवारों की घोषणा की है।केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने असम विधानसभा चुनाव में झामुमो के साथ गठबंधन को लेकर गंभीर एवं सकारात्मक पहल की थी। झामुमो को पांच से सात सीटों का प्रस्ताव भी दिया गया था।

यह भी आश्वासन दिया गया था कि जिन सीटों पर झामुमो चुनाव लड़ेगा, वहां वहां कांग्रेस का पूरा संगठनात्मक समर्थन रहेगा। कांग्रेस की मंशा स्पष्ट रूप से यह थी कि झामुमो के प्रतिनिधि असम विधानसभा में पहुंचे। लेकिन, झामुमो ने स्थानीय दलों के सहयोग को लेकर 21 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। कमलेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी असम में झामुमो के चुनावी नतीजे के बारे में कोई अंदाजा नहीं लगाना चाहती, लेकिन हमें चिंता है कि झामुमो को यह फैसला आदिवासी वोटों को बांट सकता है।

ऐसे में पार्टी ने अब अकेले चुनाव मैदान में उतरने का फैसला लिया है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पार्टी 19 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी, जबकि एक सीट भाकपा माले के लिए छोड़ी गई है। नामांकन की अंतिम तिथि कल ही होने के कारण पार्टी ने तेजी से रणनीति को अंतिम रूप दे दिया है। काफी समय से कयास लगाए जा रहे थे कि विपक्षी दल एक मजबूत गठबंधन के साथ बीजेपी के सामने खड़े होंगे। इसी सिलसिले में रांची से लेकर दिल्ली तक बैठकों का कई दौर चला। खुद असम कांग्रेस के प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह और गौरव गोगोई ने हेमंत सोरेन से मुलाकात की थी। बात यहीं नहीं रुकी, सोरेन खुद दिल्ली जाकर कांग्रेस आलाकमान से भी मिले, लेकिन हफ्तों की माथापच्ची के बाद भी सीटों के गणित पर कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी। अंततः, झामुमो ने हार मानकर अपने 19 उम्मीदवारों की सूची फाइनल कर दी है और उन्हें पार्टी का पारंपरिक चुनाव चिन्ह तीर-कमान' भी सौंप दिया गया है।

झामुमो की इस अकेले चलने की जिद के पीछे एक सोची-समझी चुनावी रणनीति छिपी है। पार्टी का मुख्य ध्यान असम के उन इलाकों पर है जहां चाय बागानों में काम करने वाले लोग और आदिवासी समुदाय बड़ी संख्या में रहते हैं। इन समुदायों के साथ पार्टी का पुराना जड़ाव रहा है और उसे उम्मीद है कि यह वोट बैंक उसे जीत दिलाने में मदद करेगा। माजबत विधानसभा सीट से प्रीति रेखा बरला और सोनारी से बलदेव तेली जैसे चेहरों को उतारकर झामुमो ने यह साफ कर दिया है कि वह पूरी तैयारी के साथ मैदान में है। हालांकि, उसने विपक्षी एकजुटता का एक छोटा संदेश देते हुए बिहाली की सीट वामदलों (सीपीआईएमएल) के लिए छोड़ दी है।

> **झामुमो की इस अकेले चलने की जिद के पीछे एक सोची-समझी चुनावी रणनीति छिपी है। पार्टी का मुख्य ध्यान असम के उन इलाकों पर है जहां चाय बागानों में काम करने वाले लोग और आदिवासी समुदाय बड़ी संख्या में रहते हैं। इन समुदायों के साथ पार्टी का पुराना जड़ाव रहा है और उसे उम्मीद है कि यह वोट बैंक उसे जीत दिलाने में मदद करेगा। माजबत विधानसभा सीट से प्रीति रेखा बरला और सोनारी से बलदेव तेली जैसे चेहरों को उतारकर झामुमो ने यह साफ कर दिया है कि वह पूरी तैयारी के साथ मैदान में है। हालांकि, उसने विपक्षी एकजुटता का एक छोटा संदेश देते हुए बिहाली की सीट वामदलों (सीपीआईएमएल) के लिए छोड़ दी है।**

असम की इस टूट का असर केवल वहीं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसकी तपिश झारखंड की राजनीति में भी महसूस की जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस घटनाक्रम से दोनों दलों के बीच तल्खी बढ़ सकती है, जिसका असर आगामी राज्यसभा चुनावों पर पड़ेगा। झारखंड में जल्द ही राज्यसभा की दो सीटों के लिए चुनाव होने हैं। अभी तक माना जा रहा था कि एक सीट कांग्रेस के खाते में जा सकती है, लेकिन अब राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि झामुमो दोनों ही सीटों पर अपना दावा ठोक सकती है। लेकिन अंतिम दोनों में भाजपा क्या खेल करती है और झामुमो क्या रुख रहता है इस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। इसलिए राज्यसभा का चुनाव झारखंड की राजनीति में टर्निंग पॉइंट हो सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि झारखंड की सत्ता में साझेदार ये दो दल इस कड़वाहट को रांची की गलियों तक पहुंचने से कैसे रोकते हैं। असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होना है। राज्य की 126 सीटों के लिए हो रहे इस चुनाव में फिलहाल बीजेपी का पलड़ा भारी दिख रहा है, जिसने 2021 के चुनाव में 60 सीटें जीती थीं। अब जब विपक्षी एकता में सेंध लग चुकी है, तो आम मतदाता के मन में सवाल है कि क्या झामुमो अपने दम पर वोट काटकर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाएगी या खुद के लिए एक नया आधार खड़ा करेगी। 4 मई को जब चुनावी नतीजे आएंगे, तभी पता चलेगा कि हेमंत सोरेन का यह साहसी फैसला कितना सही साबित हुआ।

## नजरिया

# वैश्विक संकट : तैयारी रखने में ही है जीत

**प्रो. आरके जैन अरिजीत**

> **भविष्य की चुनौतियों को भांपते हुए भारत जिस तीव्र गति से नई ऊर्जा तकनीकों और संसाधनों की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह उसकी दूरदर्शिता और संकल्प का प्रमाण है। ग्रीन हाइड्रोजन, उन्नत परमाणु ऊर्जा और उच्च इथेनॉल मिश्रण जैसी महत्वाकांक्षी पहलें देश को न केवल आत्मनिर्भर बना रही हैं, बल्कि उसे ऊर्जा स्वतंत्रता की ओर निर्णायक रूप से अग्रसर कर रही हैं। प्रधानमंत्री का यह आह्वान कि कोविड काल जैसी एकजुटता आज भी उतनी ही आवश्यक है, केवल वर्तमान संकट तक सीमित नहीं, बल्कि भविष्य की हर चुनौती के लिए एक स्पष्ट मार्गदर्शन है।**

जब वैश्विक क्षितिज पर युद्ध और अनिश्चितता के काले बादल मंडराने लगते हैं, तब किसी राष्ट्र की असली पहचान उसके साहस, तैयारी और दूरदर्शी नेतृत्व से होती है। लोकसभा में प्रधानमंत्री द्वारा पश्चिम एशिया की गंभीर स्थिति पर दिया गया संदेश इसी शक्ति और संकल्प का जीवंत उदाहरण है। उनका संबोधन केवल एक सामान्य चेतावनी नहीं था, बल्कि पूरे राष्ट्र को सतर्क, संगठित और सशक्त बनाने वाला दृढ़ आह्वान था। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में संकेत दिया कि यह संघर्ष सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके प्रभाव पूरी दुनिया को प्रभावित करेंगे। ऐसे निर्णायक समय में भारत को कोविड काल जैसी अनुशासित एकजुटता, सजगता और मजबूत तैयारी के साथ आगे बढ़ना होगा, ताकि हर चुनौती को अवसर में बदला जा सके और राष्ट्र की प्रगति अविरल बनी रहे।

पश्चिम एशिया का यह संघर्ष महज़ राजनीतिक टकराव नहीं, बल्कि एक गहराते वैश्विक आर्थिक और ऊर्जा संकट की चेतावनी भी है। भारत जैसे तेजी से उभरते राष्ट्र के लिए यह स्थिति अत्यंत निर्णायक बन जाती है, क्योंकि ऊर्जा ही विकास की धुरी है। ऐसे संवेदनशील समय में प्रधानमंत्री ने जिस आत्मविश्वास के साथ देश को आश्वस्त किया, वह सरकार की दूरदर्शिता और ठोस रणनीति का प्रमाण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीते वर्षों में उठाए गए मजबूत और समयोचित कदम आज भारत को इस वैश्विक संकट के प्रभाव से सुरक्षित रखने में सक्षम हैं। ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर और सुरक्षित बनाए रखने के लिए अपनाई गई नीतियां अब अपनी प्रभावशीलता सिद्ध कर रही हैं, जो यह दर्शाती हैं कि सही समय पर लिए गए निर्णय भविष्य की बड़ी चुनौतियों को काफी हद तक नियंत्रित कर सकते हैं।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत की प्रगति आज उसकी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। आयात के स्रोतों का विस्तार कर उन्हें अनेक देशों तक फैलाना एक ऐसी रणनीति रही है, जिसने देश को किसी एक क्षेत्र पर निर्भर रहने से मुक्त कर दिया है। वैश्विक अस्थिरता के इस दौर में यह नीति भारत के लिए सुरक्षा कवच सिद्ध हो रही है। इसके साथ ही, देश की रिफाइनरियां पूरी क्षमता से संचालित हो रही हैं और पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी है। सामरिक पेट्रोलियम भंडार का निर्माण इस दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरगामी कदम है, जिसने आपातकालीन परिस्थितियों में भारत को आत्मनिर्भर और मजबूत बनने की नई शक्ति प्रदान की है।

घरेलू स्तर पर एलपीजी और अन्य आवश्यक ईंधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव के बावजूद आम नागरिकों को राहत पहुंचाना एक बड़ी उपलब्धि है, जो सरकार की जनहितकारी सोच को दर्शाता है। कोविड काल के कठिन समय में जिस प्रकार आवश्यक वस्तुओं को नियंत्रित कीमतों पर उपलब्ध कराया गया था, उसी संवेदनशील और जिम्मेदार नीति को आज भी प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। किसानों और आम परिवारों को आर्थिक दबाव से बचाना केवल एक नीति नहीं, बल्कि सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह स्पष्ट करता है कि देश के विकास के साथ-साथ जनकल्याण को भी समान और सर्वोच्च महत्व दिया जा रहा है।

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां आज केवल प्रगति की कहानी नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर एक प्रेरणादायक उदाहरण बन चुकी हैं। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जैव ईंधन के तीव्र विस्तार ने देश को पारंपरिक ईंधनों की निर्भरता से बड़ी हद तक मुक्त कर दिया है। इथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा देने की नीति ने एक ओर जहां विदेशी मुद्रा की भारी बचत सुनिश्चित की है, वहीं दूसरी ओर किसानों को आय के नए और स्थायी स्रोत प्रदान किए हैं। इसके साथ ही, रेलवे के तीव्र विद्युतीकरण और इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन ने ऊर्जा के वैकल्पिक साधनों को नई गति दी है। ये सभी दूरदर्शी प्रयास आज के वैश्विक संकट के बीच भारत को मजबूती, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता प्रदान कर रहे हैं।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जिस स्पष्टता और दृढ़ता के साथ देश को सचेत किया, वह नेतृत्व की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने रेखांकित किया कि किसी भी संकट में सबसे बड़ा खतरा बाहरी नहीं, बल्कि भीतर की घबराहट और अफवाहें होती हैं। ऐसे समय में संयम, जागरूकता और जिम्मेदारी ही सबसे बड़ी ताकत बनती है। अपील की कि वे सतर्क रहें, परंतु विचलित न हों। सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह मुस्तैद हैं और विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, कूटनीतिक स्तर पर भारत शांति, संतुलन और स्थिरता की दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है, जो उसकी वैश्विक जिम्मेदारी और बढ़ते प्रभाव का सशक्त प्रमाण है।पिछले कुछ वर्षों में भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को केवल एक नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में स्थापित किया है। रणनीतिक भंडारण, ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण और नवीकरणीय विकल्पों पर निरंतर जोर ने देश को एक मजबूत और स्थायी आधार प्रदान किया है। आज जब विश्व अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है, तब भारत की स्थिरता, आत्मविश्वास और मजबूती उसकी दूरदर्शी नीतियों की सफलता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। यह इस बात का प्रमाण है कि सुनियोजित रणनीति और दृढ़ संकल्प किसी भी बड़े संकट का सामना करने में सबसे प्रभावी हथियार होते हैं।

भविष्य की चुनौतियों को भांपते हुए भारत जिस तीव्र गति से नई ऊर्जा तकनीकों और संसाधनों की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह उसकी दूरदर्शिता और संकल्प का प्रमाण है। ग्रीन हाइड्रोजन, उन्नत परमाणु ऊर्जा और उच्च इथेनॉल मिश्रण जैसी महत्वाकांक्षी पहलें देश को न केवल आत्मनिर्भर बना रही हैं, बल्कि उसे ऊर्जा स्वतंत्रता की ओर निर्णायक रूप से अग्रसर कर रही हैं। प्रधानमंत्री का यह आह्वान कि कोविड काल जैसी एकजुटता आज भी उतनी ही आवश्यक है, केवल वर्तमान संकट तक सीमित नहीं, बल्कि भविष्य की हर चुनौती के लिए एक स्पष्ट मार्गदर्शन है। यह सत्य और भी सशक्त होकर सामने आता है कि जब पूरा राष्ट्र एकजुट होकर आगे बढ़ता है और नेतृत्व दृढ़ एवं दूरदर्शी होता है, तब कोई भी संकट भारत की प्रगति की गति को थाम नहीं सकता।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

## अभिवादन

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को जलपाईगुड़ी जिले में एक जनसभा के दौरान समर्थकों का अभिवादन किया।

# आरएसएस प्रमुख ने घुसपैठियों पर चिंता जताई, अमेरिका व चीन की 'आक्रामकता' की निंदा की

**मथुरा/भाषा**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने भारत में घुसपैठ को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों से संदिग्ध अवैध प्रवासियों की जानकारी अधिकारियों को देने और यह सुनिश्चित करने का मंगलवार को आग्रह किया कि उन्हें देश में रोजगार न मिले। वृंदावन के रुक्मिणी विहार स्थित नव-निर्मित 'जीवनदीप आश्रम' का लोकार्पण करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने अमेरिका और चीन जैसे देशों की आक्रामक प्रवृत्ति की निंदा की और भारत को अन्य दृष्टिकोणों के प्रति अधिक उदार बताया। उन्होंने कहा कि विदेशियों की पहचान के लिए कड़ी जांच होनी चाहिए और लोगों से अपील की कि वे सुनिश्चित करें कि अवैध प्रवासियों को देश में रोजगार न मिलें। उन्होंने कहा कि हालांकि, भारतीय नागरिकों के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि यदि ऐसे उपाय लागू किए जाएं तो पांच से दस वर्षों में स्थिति में सुधार संभव है और घटती जन्म दर स्थिर हो सकती है। संघ प्रमुख ने तीन संतान नीति पर जोर देते हुए कहा कि उच्च जन्म दर आवश्यक है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर परिवार के स्वास्थ्य के लिए तीन बच्चों की सलाह देते हैं, क्योंकि बचपन में होने वाले मेलजोल से बच्चों में सामाजिक कौशल और समूह में सामंजस्य स्थापित करने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने जनसंख्या संबंधी अध्ययनों का हवाला देते हुए कहा कि तीन से कम प्रजनन दर दीर्घकालिक जोखिम पैदा कर सकती है। उन्होंने कहा, कम जन्म दर वाले कई देशों ने अपनी जनसंख्या वृद्धि दर तीन से ऊपर ले जाने के प्रयास किए हैं। परिवारों को दो बच्चों तक सीमित रहने के बजाय तीन बच्चों का लक्ष्य रखना चाहिए, हालांकि कोई भी नीति बनाते समय जनहित सर्वोपरि होना चाहिए। भागवत ने जबरन धर्मांतरण को रोकने का आह्वान करते हुए कहा, सरकार कानून बना सकती है, लेकिन समाज को भी इसे रोकने की जिम्मेदारी निभानी होगी।

उन्होंने दावा किया, अनेक धर्मांतरित लोग मूल रूप से हिंदू रहे हैं और यदि वे वापस आना चाहते हैं तो उनका स्वागत किया जाना चाहिए। संघ प्रमुख ने अमेरिका और चीन जैसे देशों की आक्रामक प्रवृत्ति की आलोचना करते हुए कहा कि भारत का दृष्टिकोण दूसरों पर कुछ थोपने का नहीं है। उन्होंने कहा, अमेरिका भले ही यह कहे कि हमारा आर्थिक मॉडल सबसे अच्छा है और सबको इसका अनुसरण करना चाहिए, वहीं चीन यह कह सकता है कि हमने एक ऐसा मॉडल स्थापित किया है जो सबके लिए सबसे उपयुक्त है। आश्रम व्यवस्था पर बल देते हुए भागवत ने कहा, आश्रम, भारतीय संस्कृति की विशिष्ट अवधारणा है और यह मूल रूप से जीवन शिक्षा का केंद्र है। यहां अनुशासन के साथ शिक्षा प्राप्त करने वाले लोग लंबे समय तक समाज की प्रभावी सेवा कर सकते हैं और अपने चरित्र का विकास कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि फिनलैंड की प्रशंसित शिक्षा प्रणाली भी कहीं न कहीं गुरुकुल-आश्रम परंपरा से मेल खाती है। उन्होंने कहा, यहां वास्तविक ज्ञान प्राप्त होता है, न कि केवल पेट भरने की क्षमता। भागवत ने कहा कि भारत के प्राचीन सांस्कृतिक मूल्य और सनातन परंपरा आज की अशांत दुनिया में भी प्रासंगिक हैं और आश्रम इन मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

## छठ

यमुना छठ के अवसर पर महिला श्रद्धालुओं ने यमुना नदी के पास कलश यात्रा निकाली। यमुना छठ पृथ्वी पर देवी यमुना के अवतरण की याद में मनाया जाता है।

# शिल्पा शेट्टी ने बताया रिवर्स हाइपर एक्सरसाइज का सही तरीका

**नई दिल्ली/एजेन्सी**

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपनी हेल्दी लाइफस्टाइल और नियमित योगाभ्यास से फैंस के दिलों में खास पहचान रखती हैं और अक्सर सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर लोगों को योगा करने के लिए प्रेरित करती रहती हैं। अभिनेत्री ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक फिटनेस वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में अभिनेत्री रिवर्स हाइपर एक्सरसाइज करती दिख रही हैं। इस वीडियो के जरिए उन्होंने न सिर्फ इस एक्सरसाइज को रिवर्स हाइपर करने का सही तरीका बताया, बल्कि इसके कई फायदों पर भी रोशनी डाली। अभिनेत्री ने इसे अंडररेटेड यानी कम चर्चित लेकिन बहुत प्रभावी व्यायाम बताया, जो खासकर नितंब (ग्लूट्स) को मजबूत बनाने के लिए आरामदायक है। शिल्पा ने लिखा, रिवर्स हाइपर के कई फायदे हैं। सबसे पहले, यह व्यायाम हिप एक्सटेंशन के जरिए ग्लूटस मैक्सिमस मांसपेशी को बहुत अच्छे से टारगेट करता है, जिससे नितंब मजबूत और आकर्षक बनते हैं। दूसरा, यह कमर के निचले हिस्से (लोअर बैक) के लिए काफी सुरक्षित माना जाता है। यह पोस्टीरियर चेन यानी पीठ, ग्लूट्स और हैमस्ट्रिंग्स को मजबूत बनाता है और रीढ़ की हड्डी पर ज्यादा दबाव नहीं पड़ता।

उन्होंने आगे लिखा, इसके अलावा, यह व्यायाम स्क्वाट्स, डेडलिफ्ट्स जैसी भारी एक्सरसाइज को करने में मदद करता है और हिप एक्सटेंशन की ताकत बढ़ाता है। साथ ही, यह संतुलित पोस्टीरियर चेन बनाता है,

यानी ग्लूट्स, हैमस्ट्रिंग्स और लोअर बैक को एक साथ एक्टिवेट करता है। आखिर में नियंत्रित तरीके से करने पर लोअर बैक की जकड़न कम होती है, जिससे खून का बहाव बेहतर होता है और रीढ़ को अच्छा सपोर्ट मिलता है।अभिनेत्री ने इसे घर पर या जिम में आसानी से करने का भी आसान तरीका बताया। उन्होंने लिखा, ग्लूट्स की ताकत से ऊपर उठाएं। ऊपर पहुंचकर 1-2 सेकंड रुकें और फिर धीरे-धीरे नीचे लाएं। उन्होंने सेट्स और रेप्स की डिटेल देते हुए लिखा, 3 सेट में 15 से 18 रेप्स करें। कंट्रोल के साथ ऊपर उठाएं। अब ऊपर 1-2 सेकंड होल्ड करें और धीरे-धीरे नीचे आएं।

# पाकिस्तान दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित देश ; भारत छठे नंबर पर : रिपोर्ट

**नयी दिल्ली/भाषा**

पाकिस्तान महीन वायु प्रदूषक कणों की दृष्टि से दुनिया का सबसे प्रदूषित देश है जबकि भारत छठे नंबर पर है। विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट, 2025 से यह जानकारी सामने आयी है। स्विटरजरलैंड की वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी 'आईक्यूएयर' द्वारा प्रकाशित आठवीं रिपोर्ट में 143 देशों, क्षेत्रों और प्रदेशों के 9,446 शहरों में स्थित निगरानी स्टेशनों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान सबसे प्रदूषित देश है। उसके बाद बांग्लादेश, ताजिकिस्तान, चाड और कांगो का स्थान आता है। भारत छठे नंबर पर है। भारत में प्रदूषित शहरों की बात की जाए तो उत्तर प्रदेश का लोनी विश्व में सबसे अधिक प्रदूषित शहर बताया गया है। इसी क्रम में दिल्ली दुनिया का चौथा सबसे अधिक प्रदूषित शहर है।

इतना ही नहीं विश्व के दस सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में से पांच भारत में हैं जिनमें लोनी, बिर्नीहाट, दिल्ली, गाजियाबाद और उला शामिल हैं। इस वर्ष की रिपोर्ट की तुलना पिछले वर्ष से करने पर, 54 देशों में पीएम2.5 के वार्षिक औसत में वृद्धि देखी गई, 75 देशों में गिरावट आई, दो देशों में कोई बदलाव नहीं हुआ और 12 देश इस वर्ष के आंकड़ों में नए सिरे से शामिल किए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, वैश्विक शहरों में से केवल 14 प्रतिशत शहर ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के वार्षिक पीएम2.5 दिशानिर्देश पांच माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर वायुक्षेत्र को पूरा कर पाए, जो पिछले वर्ष के 17 प्रतिशत से कम है। केवल तेरह देश/क्षेत्र ही डब्ल्यूएचओ के वार्षिक औसत पीएम2.5 दिशानिर्देश पर खरा उतरे हैं। वे फ्रेंच पोलिनेशिया, प्यूर्तो रिको, यूएस वर्जिन आइलैंड्स, बारबाडोस, न्यू कैलेडोनिया, आइसलैंड, बरमूडा, रीयूनियन, अंडोरा, ऑस्ट्रेलिया, ग्रेनाडा, पनामा और एस्तोनिया हैं। रिपोर्ट में साथ ही कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण तीव्र हुई जंगल की आग ने 2025 में वैश्विक वायु गुणवत्ता में गिरावट लाने में प्रमुख भूमिका निभाई। यूरोप और कनाडा से रिकॉर्ड बायोमास उत्सर्जन ने लगभग 1,380 मेगाटन कार्बन में योगदान दिया।

रिपोर्ट के आठ साल के इतिहास में दूसरी बार कनाडा उत्तरी अमेरिका का सबसे प्रदूषित देश था क्योंकि उसकी दूसरी सबसे खराब जंगल की आग ने कनाडा, अमेरिका और यूरोप के कुछ हिस्सों में हवा की गुणवत्ता पर असर डाला। यूरोप में, 23 देशों में वार्षिक औसत पीएम2.5 सांद्रता में वृद्धि दर्ज की गई, 18 देशों में गिरावट दर्ज की गई और एक देश को इसमें नया जोड़ा गया।

# साान्या मल्होत्रा ने शुरू की 'सुंदर पूनम' की शूटिंग

**मुंबई/एजेन्सी**

बॉलीवुड में इन दिनों ऐसी फिल्मों का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है, जिनका कंटेंट दमदार हो। दर्शक अब सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि ऐसी कहानियां भी देखना चाहते हैं जो उन्हें भावनात्मक रूप से जोड़ सकें। इसी कड़ी में सान्या मल्होत्रा की आने वाली रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'सुंदर पूनम' की चर्चा जोरों पर है। एक्ट्रेस ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसे लेकर फैंस में काफी उत्साह देखा जा रहा है। सान्या मल्होत्रा ने इस खास मौके की झलक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। उन्होंने फिल्म की शुरुआत करने से पहले मुहूर्त पूजा की और इसकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में फिल्म का क्लैपबोर्ड नजर आ रहा है। इसके अलावा, वह को-स्टार्स के साथ कुछ कैंडिड मोमेंट्स वाले फोटो क्लिक करवाती दिख रही हैं। वहीं एक वीडियो में सान्या आरती करती हुई नजर आ रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक छोटा सा कैप्शन लिखा- 'सुंदर पूनम फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है।'

इस फिल्म का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं। वहीं फिल्म में सान्या के साथ आदित्य रावल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह प्रोजेक्ट प्राइम वीडियो के 2026 के स्लेट का हिस्सा है।हाल ही में फिल्म मेकर्स ने 'सुंदर पूनम' का फर्स्ट लुक वीडियो जारी किया था, जिसमें सान्या मल्होत्रा दुल्हन बनी नजर आई। वीडियो में देखा जा सकता है कि सान्या के किरदार पूनम का फोन लगातार रिंग हो रहा है, जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहे हैं। आखिर में दुल्हन बनी सान्या मुस्कुराती है और इसके बाद एक खबर की आवाज सुनाई देती है कि एक शादीशुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया। फिल्म की कहानी के बारे में बात करें तो 'सुंदर पूनम' में लव स्टोरी के साथ-साथ सस्पेंस और क्राइम का तड़का भी देखने को मिलेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की कहानी एक वास्तविक घटना से प्रेरित है। कहा जा रहा है कि यह 2025 में सामने आए एक चर्चित हनीमून मर्डर केस पर आधारित हो सकती है, जिसमें शादी के तुरंत बाद एक कारोबारी की हत्या कर दी गई थी। इस फिल्म में एक नया शादीशुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। इस दौरान उनके अचानक लापता होने की खबर सामने आती है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा हैरान करने वाला सच भी सामने आता है। फिल्म की कहानी दर्शकों को चौंका देगी।

फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन के दौरान अभिनेता अक्षय कुमार और वामिका गब्बी मुंबई के जुहू में नजर आए।

# दुनिया के हालात पर बोले अक्षय कुमार, सोने से पहले देश और परिवार के लिए करें प्रार्थना

**मुंबई/एजेन्सी**

आज के समय में पूरी दुनिया कई तरह की चुनौतियों से गुजर रही है। कहीं युद्ध का माहौल है तो कहीं तनाव और असुरक्षा का डर है। ऐसे माहौल में आम लोगों से लेकर बड़े सितारे भी अपनी चिंता और भावना जाहिर करते नजर आ रहे हैं। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने क्रिज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' के दौरान दुनिया के मौजूदा हालात पर खुलकर बात की और लोगों से कहा कि वे सोने से पहले देश और परिवार के लिए प्रार्थना जरूर करें। दरअसल, शो में मेहमान के तौर पर श्वेता जुमानी भी मौजूद थीं। बातचीत के दौरान दुनिया में चल रहे तनाव और युद्धों का जिक्र हुआ। इसी पर अक्षय कुमार ने अपनी राय रखते हुए कहा कि इस समय दुनिया में काफी परेशानियां हैं और कई जगहों पर युद्ध चल रहे हैं। ऐसे हालात का असर हर इंसान पर पड़ता है, चाहे वह किसी भी देश में क्यों न रहता हो। इस दौरान अक्षय कुमार ने लोगों से एक खास अपील भी की। उन्होंने कहा, ''जब भी आप रात को सोने जाएं, उससे पहले अपने परिवार और देश के लिए एक छोटी सी प्रार्थना करें, ताकि हम सब सुरक्षित रहें।''

उन्होंने कहा कि यह छोटा सा कदम हमें अंदर से मजबूत बनाता है और सकारात्मक ऊर्जा देता है। ऐसे समय में एक-दूसरे के लिए दुआ करना बहुत जरूरी है, ताकि शांति बनी रहे।इस बातचीत के दौरान श्वेता जुमानी ने भी अपनी राय साझा की। उन्होंने कहा, मेरा विश्वास है कि भारत पर एक मजबूत आध्यात्मिक शक्ति का आशीर्वाद है, जो देश की रक्षा करती है। अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके साथ परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू और वामिका गब्बी जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।

## भजन

चैत्र नवरात्रि के दौरान रामनवमी की पूर्व संध्या पर शिमला में सनातन धर्म सभा द्वारा आयोजित एक जुलूस में महिलाओं ने नृत्य किया और भजन-कीर्तन किया।

# आलिया भट्ट, नागार्जुन समेत कई सितारों ने 'धुरंधर: द रिवेंज' की सराहना की

नई दिल्ली/भाषा। आलिया भट्ट, नागार्जुन और ऋषभ शेट्टी सहित फिल्म उद्योग की विभिन्न हस्तियों ने आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' और इसमें हमजा अली मजारी/जसकीरत सिंह रंगी के रूप में रणवीर सिंह के अभिनय की जमकर प्रशंसा की है।

नागार्जुन ने सोमवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में फिल्म को अतुलनीय करार दिया। उन्होंने कहा, यह ऐसी फिल्मों में से एक है जो फिल्म निर्माण को प्रेरित एवं परिवर्तित करती है।

फिल्म ने रिलीज के पहले चार दिनों में 761 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की है।

वहीं, आलिया भट्ट ने भी बीती रात एक पोस्ट में लिखा, जसकीरत सिंह रंगी और यह पल... सबकुछ है। निर्देशक और अभिनेता का जादू पूरी तरह से तालमेल में है! ऐतिहासिक सफलता के लिए टीम धुरंधर को बधाई।अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक नोट साझा कर रणवीर सिंह, आदित्य धर, सारा अर्जुन और आर माधवन के अभिनय की तारीफ की। उन्होंने लिखा, रणवीर, मैं अब भी आपके काम के प्रभाव से बाहर नहीं निकल पाई हूं। आर माधवन सर, आपकी वो शांत शक्ति और अधिकार...आपने देशभक्ति की भावना को गहराई से जगा दिया।

अभिनेता-निर्माता ऋषभ शेट्टी ने लिखा, फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' आपको पहले ही दृश्य से जकड़ लेती है और अंत तक नहीं छोड़ती। शानदार कहानी, भाई, मुझे इसकी बारीकियां बेहद पसंद आईं। हर एक कलाकार का बेहतरीन प्रदर्शन है।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने रणवीर को 'बब्बर शेर' बताते हुए उनके समर्पण की तारीफ की और निर्देशक आदित्य धर के काम को अभूतपूर्व करार दिया।ज्योति देशपांडे और लोकेश धर द्वारा निर्मित यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज हुई है।

# सपनों को उड़ान देने के लिए पंख जरूरी और ये पंख हमारे अपने होते: दिव्या दत्ता

**मुंबई/एजेन्सी**

सपनों को पूरा करने की दौड़ में कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में अगर किसी का सहारा मिले तो संघर्ष कुछ हद तक आसान लगने लगता है। यही बात बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि टैलेंट के साथ-साथ अगर किसी का साथ मिल जाए तो इंसान कामयाबी हासिल कर सकता है। दिव्या दत्ता ने कहा, ''हर इंसान के अंदर टैलेंट जरूर होता है, लेकिन उसे पहचानने के लिए किसी अपने का साथ जरूरी होता है। जब किसी व्यक्ति को परिवार का साथ मिलता है तो उसका आत्मविश्वास और हौसला दोगुना हो जाता है। सपनों को उड़ान देने के लिए पंख चाहिए होते हैं, और ये पंख हमारा अपना परिवार और अपने ही लोग ही होते हैं।'' दिव्या दत्ता ने अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, ''मैंने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोगों को देखा है कि वे किस तरह अपनी पहचान बना रहे हैं। कोई गृहिणी अपने कुकिंग टैलेंट को दुनिया के सामने ला रही है, तो कोई ट्रैवल ब्लॉग के जरिए लोगों के बीच अपनी पहचान बना रहा है। इन सभी कहानियों में एक चीज समान है, और वो है अपने परिवार और करीबियों का साथ... इस साथ के जरिए उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत मिलती है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने अक्सर देखा है कि लोग अपनी ही दुनिया में सिमटे रहते हैं और ये मानकर बैठे रहते हैं कि उनकी परेशानियां और संघर्ष सबसे बड़े हैं, लेकिन जब हम दूसरों की कहानियों को देखते हैं, तब पता चलता है कि हर किसी की अपनी-अपनी लड़ाई है, जिसे लड़कर वह आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में अगर किसी को थोड़ा सा भी सहारा मिल जाए तो वह बड़ी से बड़ी मुश्किल को पार कर सकता है।'' इस बातचीत में फिल्ममेकर सशांत शाह ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''आज के समय में सोशल मीडिया एक बड़ा प्लेटफॉर्म बन चुका है। यहां हर किसी के टैलेंट को मौका मिलता है, लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि टैलेंट को सही समर्थन भी मिले। अगर किसी के अंदर काबिलियत है तो उसे आगे लाने के लिए किसी का साथ मिलना बहुत जरूरी है।''

# भगवान बाहुबली की विशालकाय प्रतिमा के चरणों का पंचामृत-अभिषेक किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रवणबेलगोला। ऐतिहासिक तीर्थ क्षेत्र श्रणबेलगोला में गोमटेश्वर भगवान बाहुबली की 57 फीट ऊंची प्रतिमा के चरणों का पंचामृत अभिषेक किया गया। भगवान की प्रतिमा की स्थापना के 1045 वर्ष पूरे होने पर प्रतिष्ठापना दिवस बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आचार्य अनेकांतसागरजी और अनेक साधु-साध्वियों का सान्निध्य प्राप्त हुआ। संपूर्ण कार्यक्रम अभिनव चारुकीर्ति भट्टारक स्वामी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। अखिल भारतीय राष्ट्रीय महासभा के अध्यक्ष गजराज गंगवाल और तीर्थ क्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जम्बूप्रसाद जैन का इसम्मान किया गया। इस अवसर पर आचार्य अनेकांतसागरजी महाराज ने चारुकीर्ति भट्टारक स्वामी जी को 'अद्वितीय भट्टारक' की उपाधि प्रदान की। चारुकीर्ति भट्टारक जी महाराज के पट्टाभिषेक के तीन वर्ष पूरे होने पर उनकी पूजा की गई, पुष्पांजलि अर्पित की गई और इस अवसर पर भगवान बाहुबली की महामंगल आरती की गई। भगवान बाहुबली के चरणों का पंचामृत अभिषेक कर 108 द्रव्यों से पूजा की गई।

## परिवर्तन-2026

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के एमईएस कला वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय मल्लेश्वरम के वाणिज्य विभाग द्वारा मंगलवार को 'परिवर्तन-2026' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत, निदेशक डॉक्टर गिरधर रेड्डी, प्राचार्य डॉ आदर्श, उप प्राचार्य डॉ अनीता श्रीकुमार, वाणिज्य विभाग की प्रमुख इन्दु वाई आदि ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

# कर्नाटक सरकार ने विश्वविद्यालय में आयोजित आरएसएस के कार्यक्रम को रोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री एम सी सुधाकर ने मंगलवार को मैसुरु स्थित कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (केएसओयू) में विचारक दीनदयाल उपाध्याय पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा प्रस्तावित तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला को रोकने के राज्य सरकार के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि सरकारी विश्वविद्यालयों को गैर-राजनीतिक होना चाहिए और वैचारिक प्रभाव से मुक्त रहना चाहिए। आरएसएस के मीडिया प्रकोष्ठ द्वारा जारी एक बयान में कहा गया था कि 'एकात्मा मानव दर्शन' नामक अंतरराष्ट्रीय अकादमिक सम्मेलन 25 से 27 मार्च तक केएसओयू के दीक्षांत समारोह हॉल में आयोजित किया जाएगा।

सुधाकर ने व्याख्यान श्रृंखला रद्द करने को लेकर राज्य की मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा की जा रही आलोचना पर कहा कि सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने आयोजन निकाय की प्रकृति और विश्वविद्यालय अधिकारियों की संलिप्तता को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बेंगलूरु में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''हमारे सरकारी विश्वविद्यालयों को राजनीति से दूर रहना चाहिए। हमारे विश्वविद्यालयों में किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि नहीं होनी चाहिए।'' सुधाकर ने आयोजकों से विश्वविद्यालय के जुड़ाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, ''यह चौंकाने वाली बात है कि हमारे विश्वविद्यालय ने उनके साथ समन्वय किया है। स्वयं कुलपति ही स्वागत समिति के अध्यक्ष हैं।''

आयोजकों के एक विशेष विचारधारा से जुड़े होने का आरोप लगाते हुए मंत्री ने कहा, ''यह संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ा एक बौद्धिक संगठन है। जब ऐसा संगठन इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है और स्वयं कुलपति भी इसका हिस्सा हैं, तो मुझे लगता है कि इससे गलत संदेश जाता है।'' सुधाकर ने इस घटनाक्रम को ''प्रोटोकॉल का उल्लंघन'' करार दिया और कहा कि सरकार को इस घटना की जानकारी नहीं दी गई थी। मंत्री ने सरकार के रुख को दोहराते हुए कहा, ''यह एक सरकारी विश्वविद्यालय है, और उन्होंने हमें सूचित करने की जहमत तक नहीं उठाई। अगर इसका संबंध उच्च शिक्षा में सुधार से था, तो सरकार को भी इसमें शामिल करना चाहिए था।'' आरएसएस ने कहा था कि यह कार्यक्रम कर्नाटक के प्रज्ञा प्रवाह और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। आयोजकों ने कहा कि सम्मेलन का उद्घाटन कर्नाटक के राज्यपाल और राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति, थावरचंद गहलोत द्वारा सुत्तुरु मठ के शिवरात्रि देशिकेंद्र स्वामीजी की उपस्थिति में किया जाएगा। आयोजकों के मुताबिक, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान 26 मार्च को एक विशेष व्याख्यान को संबोधित करेंगे।

उन्होंने कहा, ''यह सम्मेलन विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुल सचिव, प्रोफेसर और शोधार्थी के साथ-साथ सामाजिक और राजनीतिक विज्ञान के विशेषज्ञों और विचारकों को एक साथ लाएगा।''

# हुब्बल्ली और रामेश्वरम के बीच विशेष ट्रेनें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे गर्मियों के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए एसएसएस हुब्बल्ली और रामेश्वरम के बीच नौ फेरों वाली विशेष ट्रेनें चलाएगा। ट्रेन संख्या 07355 एसएसएस हुब्बल्ली-रामेश्वरम साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल, एसएसएस हुब्बल्ली से 05, 12, 19 और 26 अप्रैल तथा 03, 10, 17, 24 और 31 मई रविवार को सुबह 06:50 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 05:20 बजे रामेश्वरम पहुंचेगी।

वापसी की दिशा में, ट्रेन संख्या 07356 रामेश्वरम - एसएसएस हुब्बल्ली साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल, रामेश्वरम से 06, 13, 20 और 27 अप्रैल तथा 04, 11, 18 और 25 मई और 01 जून सोमवार को रात 08:00 बजे रवाना होगी और अगले दिन शाम 07:40 बजे एसएसएस हुब्बल्ली पहुंचेगी। ये ट्रेनें प्रत्येक दिशा में नौ फेरे (सेवाएं) लगाएंगी।

मार्ग में, दोनों दिशाओं में इस ट्रेन के ठहराव एसएमएम हावेरी, रानीबेन्नूर, हरिहर, दावणगेरे, चिकजाजुर, बिरूर, अरसीकेरे, तिप्टूर, तुमकुरु, बनासवाड़ी, होसुर, धर्मपुरी, सेलम, नामक्कल, करूर, तिरुचिरापल्ली, पुदुकोट्टई, कराईकुडी, शिवगंगा, मनामदुरै और रामनाथपुरम स्टेशनों पर होंगे।

इस विशेष ट्रेन में एक एसी फर्स्ट क्लास कोच, दो एसी टू-टियर कोच, तीन -एसी थ्री-टियर कोच, छह स्लीपर क्लास कोच, चार जनरल सेकंड क्लास कोच, एक पैंट्री कार, एक जनरेटर-कम-ब्रेक वैन और एक सेकंड क्लास लगेज-कम-ब्रेक वैन/दिव्यांगजन अनुकूल कोच शामिल होंगे। उपरोक्त विशेष ट्रेनों के लिए अग्रिम आरक्षण शुरू हो गया है।

# निर्माणाधीन सालासर मंदिर में 2 अप्रैल को 'आंजनेय महोत्सव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सालासर बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में बीटीएम लेआउट रांका कॉलोनी स्थित निर्माणाधीन सालासर बालाजी मंदिर पर 2 अप्रैल को 'आंजनेय महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव में दिनभर विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 9 बजे से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ होगा, विद्वान पंडितों द्वारा 9 कुंडीय हवन किया जाएगा। इसके पश्चात दोपहर 2:30 बजे से पंडित मुरारी दाधीच द्वारा सुंदरकांड पाठ का सामूहिक संगीतमय वाचन होगा। सायं 5.30 बजे से मंदिर प्रांगण में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया है जिसमें भजन गायक जयपुर के राजीव विजयवर्गीय द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। इस महोत्सव के लिए मंदिर कमेटी द्वारा जोरों से तैयारियां की जा रही हैं। आयोजकों ने सभी भक्तों से आह्वान किया है कि महोत्सव में भाग लेकर बालाजी महाराज के दिव्य दर्शन का लाभ अवश्य लेंवे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## आमंत्रण

स्थानीय जैन युवा संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को अलसूर जैन श्रावक संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया से मुलाकात कर 31 मार्च को भगवान महावीर जन्म कल्याणक के संदर्भ में आमंत्रण दिया। इस मौके पर बांठिया ने संगठन द्वारा वितरित किए जाने वाले स्मृति चिन्ह संकल्प कार्ड की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे परिवार का प्रत्येक सदस्य आकर्षित होगा और प्रतिदिन कुछ न कुछ संकल्प ग्रहण कर व्रती बनेगा। इस मौके पर संगठन के महावीर श्रीश्रीमाल, भरत रूनवाल और गौतम बांठिया उपस्थित थे।

# सत्वा ग्रुप बेंगलूरु में विकसित करेगी आवासीय परियोजना, 8,600 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिजय अग्रवाल

बेंगलूरु। मकान, दुकान के विकास से जुड़ी रियल एस्टेट कंपनी सत्वा ग्रुप ने मंगलवार को बेंगलूरु में नई आवासीय परियोजना शुरू करने की घोषणा की। कंपनी को इस परियोजना से 8,600 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने उत्तरी बेंगलूरु में 50 एकड़ में फैली 'सत्वा सिटी' नाम से एक नई आवासीय परियोजना शुरू की है। पहले चरण में लगभग 2,500 आवासीय इकाइयां निर्मित की जाएंगी।

बेंगलूरु स्थित कंपनी ने परियोजना की लागत के बारे में नहीं बताया। लेकिन इस परियोजना की कुल राजस्व क्षमता 8,600 करोड़ रुपये से अधिक है। सत्वा ग्रुप के प्रबंध निदेशक बिजय अग्रवाल ने कहा, ''हमने वर्षों पहले इस जमीन की पहचान इस दृष्टिकोण के साथ की थी कि बेंगलूरु के लिए एक शहर-स्तरीय समुदाय का निर्माण किया जाए...।'' उन्होंने कहा कि इस परियोजना में लगभग 84 प्रतिशत हिस्सा खुला और हरित क्षेत्र होगा। सत्वा समूह की बेंगलूरु, हैदराबाद, मुंबई, पुणे और गोवा में रिहायशी परियोजनाएं विकसित की हैं। इसके साथ को-वर्किंग, को-लिविंग, शिक्षा, होटल, डेटा सेंटर और भंडार गृह क्षेत्रों में भी विस्तार किया है।

# गंभीर आर्थिक संकट के कारण होटल मालिक ने आत्महत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। बेलगावी जिले में गंभीर आर्थिक संकट के कारण मंगलवार सुबह 65 वर्षीय एक होटल मालिक ने कथित तौर पर अपने भोजनालय में आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतक की पहचान हुक्केरी कस्बे के निवासी रामचंद्र शंकर हल्लुरी के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि वह पिछले 16 वर्षों से पुराने बस स्टैंड के पास 'हनुमान होटल' चला रहा था। पुलिस के मुताबिक, हल्लुरी पिछले चार-पांच वर्षों से लगातार व्यापारिक घाटे से जूझ रहा था, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई थी। जानकारी के अनुसार, उस पर लगभग 11 लाख रुपये का कर्ज था और किराए व ऋण भुगतान सहित रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करना उसके लिए दिन-प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा था।

हल्लुरी ने हमेशा की तरह मंगलवार सुबह करीब छह बजे अपना होटल खोला। हालांकि, बाद में वह होटल परिसर के अंदर फांसी पर लटका हुआ पाया गया। हुक्केरी थाने के पुलिसकर्मी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे तथा प्रारंभिक जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आत्महत्या का मुख्य कारण होटल व्यवसाय के लिए लिए गए ऋणों से उत्पन्न वित्तीय बोझ था।

# राज्य में 346 इंदिरा कैंटीनें कार्यरत हैं : रहीम खान

बेंगलूरु। नगर प्रशासन और हज मंत्री रहीम खान ने कहा कि इंदिरा कैंटीन योजना के तहत राज्य में 346 कैंटीनें कार्यरत हैं। मंगलवार को विधान परिषद सत्र के प्रश्नकाल में मंत्री जी ने सदस्य के.एस. नवीन के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए बताया कि इंदिरा कैंटीन योजना के पहले चरण में कुल 197 कैंटीनें कार्यरत हैं, जबकि दूसरे चरण में 186 कैंटीनों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 149 कैंटीनें चालू हैं। 22 कैंटीनों का उद्घाटन होना बाकी है। 15 कैंटीनों का निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि यह कार्य प्रगति पर रहेगा। मंत्री ने कहा, इंदिरा कैंटीन में काम करने वाले कर्मचारी खानपान सेवाओं का भुगतान निविदा के माध्यम से चयनित एक एजेंसी द्वारा किया जा रहा है।

# जीवन परिवर्तन के लिए होती है धर्म की आराधना : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। मंगलवार को मरुधर शांति भवन में विशाल प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सिर्फ गतानुगतिक धर्मक्रियाएं करने से कोई विशेष लाभ नहीं होता, अपनी कुवृत्तियों और कुसंस्कारों को मिटाने का ध्येय लेकर उपासना करनी होती है। धर्म की साधना-आराधना जीवन परिवर्तन के लिए होती है। हम सभी को यह तथ्य याद रखना चाहिए कि धर्मशास्त्रों ने धन या संख्या को महत्व नहीं दिया है, उन्होंने भावनाओं का बहुत मूल्यांकन किया है। आप कितने समय धर्म-उपासना करते हैं अथवा धर्म के लिए कितना धन खर्च करते हैं, यह बात महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन आप कितने शुद्धभावों से धर्म की आराधना करते हैं और अपने मन को कितना पवित्र एवं सरल रखते हैं, यह बहुत मायने रखता है। जैनाचार्य ने आगे कहा कि मनुष्य का मन, आहार, स्वभाव, व्यवहार और उसके निर्णय, उसके द्वारा की जा रही धर्म उपासना की परीक्षा है। अगर इन सब मामलों में हम पवित्र, कुशल, सकारात्मक और सही नहीं हैं तो हमारी धर्म आराधना सिर्फ दिखावा है। धर्म के सान्निध्य से तो जीवन में सकारात्मक सार्थक बदलाव आने चाहिए।इइइ इससे पूर्व आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी अपने वरिष्ठ शिष्य गणि पद्मविमलसागर और अन्य मुनिगण के साथ दादावाड़ी से पदयात्रा करते हुए यहां पहुंचे। संघ के मंत्री दिनेश संघवी ने बताया कि हुब्बल्ली के सबसे पुराने और जैन एकता के प्रतीक मरुधर संघ में ओली पर्व की संयोजना के लिए उनका आगमन हुआ है। सैकड़ों श्रद्धालु भक्तजनों ने भुसपेट में शोभायात्रा के साथ उनका स्वागत किया। जैनाचार्य ने जीर्णोद्धारित 104 वर्ष प्राचीन शांतिनाथ मंदिर के दर्शन वंदन कर उसका निरीक्षण किया। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने बताया कि बुधवार से विश्वभर के सभी जैन संघों में आयंबिल तप के ओली पर्व का भव्य शुभारंभ हो रहा है। यहां जैन मरुधर संघ में प्रतिदिन करीब 300 से अधिक साधक आयंबिल की तपस्या करेंगे। नवपद की साधना के रूप में तीर्थंकरों की विशेष पूजा-अर्चना, प्रायश्चित के रूप में प्रतिक्रमण, प्रदक्षिणा, स्वस्तिक रचना, नैवेद्य और फल पूजा, देववंदना, कायोत्सर्ग ध्यान, गुरु वंदना, धर्मोपदेश श्रवण एवं मंत्रजाप करेंगे।

## फिल्म प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) बेंगलूरु साउथ लेडीज़ विंग ने 'सक्षम, स्किल डेवलपमेंट वर्टिकल' के अंतर्गत 'दि केरल स्टोरी-2' की विशेष स्क्रीनिंग कराई गई। इस मौके पर लेडीज़ विंग की सदस्याओं के साथ उनकी बेटियाँ, बेटे और बहुएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थे। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह फिल्म केवल एक कहानी नहीं, बल्कि समाज के कुछ ऐसे पहलुओं को सामने लाती है जिन पर विचार करना आवश्यक है। इस मौके पर सुनीता गांधी, संयोजिका अस्मिता चौहान, संगीता सियाल, सहमंत्री साक्षी नाहर, निशा कोठारी, अर्पिता लढ़ानी, नीतू गुलेच्छा, रेखा विनोद, वनीता बच्छावत और कविता मुथा आदि उपस्थित थीं।

# जीतो बेलगावी ने स्थापना दिवस पर उत्कृष्ट जैन प्रतिभाओं का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो ) बेलगावी ने अपना 20वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले जैन प्रतिभाशाली व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानमंत्री 15 सूत्रीय अल्पसंख्यक कल्याण कार्यक्रम समिति के सदस्य एवं समाजसेवी महेंद्र सिंघी थे।जीतो बेलगावी के अध्यक्ष हर्षवर्धन इंचल ने स्वागत भाषण में जीतो की 20 वर्षों की वैश्विक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए संगठन की निरंतर प्रगति और उपलब्धियों का उल्लेख किया। कार्यक्रम संयोजक भावेश शाह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल सदस्यों की उपलब्धियों को सम्मानित करते हैं, बल्कि समाज सेवा के लिए प्रेरणा भी प्रदान करते हैं। जीतो अपेक्स के अल्पसंख्यक मामलों के प्रभारी निदेशक पुष्पक हनमन्नावर ने सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उपस्थित जनों से अपील की कि वे जनगणना में धर्म के रूप में जैन का उल्लेख अवश्य करें, ताकि समुदाय की सही जनसंख्या दर्ज हो सके।इइइस अवसर पर 'सर्वश्रेष्ठ संस्थान-2026' का पुरस्कार भद्रबाहु ग्रामीण अल्पसंख्यक शिक्षा समिति, शमनेवाड़ी (निप्पानी) को, 'सर्वश्रेष्ठ व्यवसाय इकाई-2026' का पुरस्कार सुपर डिस्पोजल, बेलगावी को, 'सर्वश्रेष्ठ सामाजिक सेवा-2026' का पुरस्कार राजेंद्र शिरामोजी (बोगुर, खानापुर) को, 'सर्वश्रेष्ठ पेशेवर-2026' का सम्मान डॉ. सूरज पाटिल को, सर्वश्रेष्ठ महिला उद्यमी-2026' का पुरस्कार अनुपमा शिराहट्टी (निदेशक, जैन इंजीनियर्स, बेलगावी) को तथा सर्वश्रेष्ठ किसान-2026' का सम्मान सुमति एवं दिनेश पाटिल (पीरानवाड़ी) को दिया गया।

इस मौके पर केकेजी जोन के उपाध्यक्ष संतोष पोरवाल, यूथ विंग अपेक्स के अध्यक्ष रजत हरड़ी, जीतो बेलगावी के उपाध्यक्ष विक्रम जैन आदि उपस्थित थे। सचिव अभय आदिमनी ने धन्यवाद दिया।

# जैनों की एकता और समर्पण ही उनकी पहचान है : साध्वीश्री संयमलता

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के सरजापुर में एक श्रद्धालु के निवास पर विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में 'क्या जैन क्षत्रिय हैं?' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। मंगलवार को नवरात्रि आध्यात्मिक अनुष्ठान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। साध्वी संयमलताजी ने कहा कि हर व्यक्ति की अपनी अपनी पहचान होती है चाहे वो बॉलीवुड का अभिनेता अमिताभ बच्चन हो, महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर हो या मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम हो या अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य तुलसी हो। वैसे ही हमारी पहचान 'जैन' है। साध्वीश्री ने कहा कि जैन शब्द अपने आप में बहुत शक्तिशाली है। शाकाहारी, नशा मुक्ति इसकी पहचान है। आज की युवा पीढ़ी में भी नशा मुक्ति के संस्कार पुष्ट हों और हम पूरी दुनिया में एक आदर्श स्थापित कर सकें। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कहा कि दुनिया में अनेक जातियां हैं, क्षत्रिय जाति विशिष्ट हैं भगवान ऋषभ, महावीर आदि तीर्थंकर क्षत्रिय थे, उनका बल, समर्पण, संकल्प बेजोड़ होता है। जैन भी क्षत्रिय की श्रेणी में ही आते हैं, जैनों की एकता और समर्पण ही उनकी पहचान है।कार्यक्रम में सरजापुर, एचएसआर, बुद्धिगेरे, बनशंकरी, व्हाइटफील्ड आदि क्षेत्रों से श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति थी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**